

नीटी रोडें भूम रोहतक, रविवार, 9 मार्च 2025

सशक्त बनाने का दिया संदेश

अदालत में



खबर संक्षेप

22.35 ग्राम हेरोइन के साथ तस्कर गिरफ्तार

पानीपत। सीआईए थ्री पुलिस टीम ने सेक्टर 13/17 में हेलीपैंड के पास नशा तस्करी के आरोप में आर्यन पुत्र संजीव निवासी ओल्ड जगन्नाथ विहार, पानीपत को 22.35 ग्राम हेरोइन के साथ पकडा है। सीआईए थ्री प्रभारी इंस्पेक्टर विजय ने बताया कि आरोपी के खिलाफ थाना सेक्टर 13/17 में एनडीपीएस एक्ट के तहत केस दर्ज करवाया गया है। वहीं पुलिस ने आरोपी को कोर्ट में पेश कर चार दिन के रिमांड पर लिया है।

अवैध असला सप्लाई करने का आरोपी काब्र

पानीपत। सीआईए थ्री पलिस टीम ने अवैध असला सप्लाई करने के आरोपी राम गोपाल निवासी गांव शेखपुरा जिला सोनीपत को गिरफ्तार किया है। राम गोपाल ने जसबीर उर्फ पपू निवासी गांव रिसाल को अवैध देसी पिस्टल 50 हजार रूपए में बेचा था। इस मामले में थाना चांदनी बाग में आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज है।

राहगीरों से लुटपाट के तीन आरोपी गिरफ्तार

पानीपत। थाना औद्योगिक सेक्टर 29 पुलिस की टीम ने राहगिरों से मारपीट कर लुटपाट करने वाले गिरोह के एक नाबालिग सहित तीन आरोपियों को पूछताछ के लिए शुक्रवार को प्रोडक्शन वारंट पर लेकर आई। नाबालिग आरोपी मधबन बाल सुधार गृह व आरोपी सागर निवासी विकास नगर व दीपक निवासी सिवाह पानीपत जेल में बंद थे। आरोपियों पर थाना औद्योगिक सेक्टर 29 में विजयेता की शिकायत पर केस दर्ज है।

वाहन की चपेट में आने से गनमैन की मौत

समालखा। जीटी रोड पर अज्ञात वाहन की चपेट में आने से रामनिवास गांव चुलकाना की मौत हो गई। वहीं रामनिवास, गन्नौर स्थित बैंक में सुरक्षा कर्मचारी था और ड्यूटी खत्म कर वापस अपने गांव लौट रहा था। इधर, थाना समालखा पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद रामनिवास का शव उसके परिजनों को सौंप दिया और अज्ञात वाहन चालक पर गैर इरादन हत्या के आरोप में केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पल से रेलवे लाइन पर गिरकर छात्र घायल

पानीपत। पानीपत में पुल से रेलवे लाइन पर गिरने से बीस वर्षीय उदय निवासी तहसील कैंप, पानीपत गंभीर रूप से घायल हो गया। राहगिरों ने उदय को सिविल अस्पताल में भर्ती करवाया। यहां प्राथमिक उपचार देने के बाद चिकित्सकों ने उसे रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। इधर. जीआरपी ने इस मामले की जांच शुरू कर दी है।

चाकू दिखा कर युवक से छीनी नकदी व आई फोन यमुनानगर। गांव परवालो निवासी रोहित कुमार ने पुलिस को दी

शिकायत में बताया कि वह रात पौने आठ बजे बाइक पर यमुनानगर से घर लौट रहा था। जब वह गधौली दड़वा मोड टी प्वाइंट के पास पहुंचा तो बदमाशों ने उसे रोक लिया। इस दौरान आरोपियों ने चाकु निकालकर उसकी पेंट की जेब से पांच हजार रुपये व आई फोन छीन लिया। इसके बाद आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर वहां से भाग गए। उसने घटना की सूचना परिजनों व पुलिस को दी।

ज्वैलर्स की दुकान पर लुटी सोने की अंगुटी

यमुनानगर। छछरौली निवासी सोमेश गर्ग ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह मांडखेडी रोड अग्रसेन कॉम्पलेक्स में ज्वैलर्स की दुकान है। वह रात साढे सात बजे दुकान पर काम कर रहा था। इस दौरान बाइक पर सवार होकर दो युवक आए। आरोपियों ने आते ही उसे हथियार दिखाया। जिससे वह डर गया। इसके बाद आरोपी उसके पास से छह ग्राम सोने की अंगुठी लुटकर फरार हो गए।

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व किया

ऑल इंडिया इंटर यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा उत्सव में आर्य कॉलेज तृतीय

हरियाणवी फॉक ऑर्केस्ट्रा, स्किट व मिमिक्री में प्रथम

हरिभूमि न्यूज 🕪 पानीपत

आर्य पीजी कॉलेज के होनहार कलाकारों ने ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में धूम मचा हरियाणवी

दी है।

नोएडा

उत्तर प्रदेश के

स्थित एमिटी

विश्वविद्यालय

में

समूह नृत्य व वन-ऐक्ट प्ले में द्वितीय रहे दूसरा स्थान हासिल किया

में आयोजित युवा महोत्सव में आर्य पीजी कॉलेज विद्यार्थियों ने कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हुए हरियाणवी फॉक ऑर्केस्ट्रा, स्किट व मिमिक्री



पानीपत । आर्य कॉलेज के विजेता विद्यार्थी अतिथियों के साथ ।

में प्रथम स्थान, हरियाणवी समृह नृत्य व वन-ऐक्ट प्ले में दुसरा स्थान व थिएटर में भी ओवरऑल दुसरा स्थान हासिल किया इसके साथ ही महाविद्यालय की टीम ने सांस्कृतिक प्रोशेसन में दूसरा स्थान हासिल किया। ऑल इंडिया इंटर-यनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में देश भर से लगभग 130 विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया जिसमे की आर्य पीजी कॉलेज ने

प्रतिनिधित्व करते हुए ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल कर एक नया खिताब हासिल किया।

कॉलेज में पहुंचने पर टीम का किया स्वागत

शनिवार को सुबह महाविद्यालय प्रांगण में पहुंचने पर विजेताओं का जोरदार स्वागत किया गया। प्राचार्य डॉ. जगदीश गप्ता ने टीम के साथ गए सभी प्राध्यापकों, निर्देशकों व प्रतिभागियों का फूल-मालाओं से

स्वागत किया और जीत की बधाई भी दी। महाविद्यालय प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेंद्र शिंगला, महासचिव सीए कमल किशोर और कोषाध्यक्ष पीयूष आर्य समेत सभी पदाधिकारियों ने प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता व सभी स्टाफ सदस्यों और विद्यार्थियों को जीत की बधाई दी।

डॉ. जगदीश गुप्ता ने इस जीत श्रेय महाविद्यालय के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के निर्देशक रामनिवास, सांस्कृतिक कार्यक्रमों की इंचार्ज मीनाक्षी चौधरी, डॉ. विजय सिंह, नील खालसा व सभी स्टाफ सदस्यों के कुशल मार्गदर्शन और विद्यार्थियों की कडी मेहनत को दिया। प्रबंधक समिति के प्रधान सुरेंद्र शिंगला ने कहा कि महाविद्यालय के विद्यार्थी शैक्षणिक, सांस्कृतिक व खेलकूद के क्षेत्र में नित नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इन सफलताओं का श्रेय

> 28 छात्र रहे शामिल

प्राचार्य डॉ. गुप्ता ने बताया कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय की टीम के 32 विद्यार्थियों में से 28 विद्यार्थी आर्य पीजी कॉलेज के थे और साथ ही राष्ट्रीय युवा महोत्सव में देश भर से लगभग 130 विश्वविद्यालयों ने हिस्सा लिया जिसमें कि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय ने ओवरऑल तीसरे स्थान पर रहकर एक नया खिताब

प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता के कशल नेतत्व व स्टाफ सदस्यों की कड़ी मेहनत को जाता है। वहीं. प्राचार्य डॉ. जगदीश गुप्ता ने बताया कि आर्य पीजी कॉलेज की टीम ने एसडी कॉलेज पानीपत में जोनल यथ फेस्टिवल में ओवरऑल टॉफी हासिल करने के बाद इंटर-जोनल में भी ओवरऑल ट्रॉफी जीती और अब ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भी जीत का

चचेरे भाइयों ने किया आठ वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म

 बच्ची की काउंसलिंग की गई तो हुआ मामले का खुलासा

 पुलिस ने तीन आरोपियों के खिलाफ किया केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

यमुनानगर में आठ वर्षीय बच्ची के साथ उसके चाचा के लड़के व बुआ के दो लड़कों द्वारा गलत काम करने का मामला सामने आया है। बच्ची के पिता के प्रार्थना पत्र के बाद बच्ची जब दाखिला के लिए बालकुंज छछरौली पहुंची तो वहां पर उसकी काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग के दौरान बच्ची ने अपने चाचा व बुआ के दो लड़कों पर उसके साथ गलत काम करने की जानकारी दी। अब बच्ची के पेट में भी दर्द रहता है।

पुलिस ने वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष नीरा जैन की शिकायत पर तीन आरोपी युवकों के खिलाफ छह पोक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज कर लिया। शिकायत में बताया कि जगाधरी वर्कशॉप रोड स्थित रहने वाले एक व्यक्ति ने तीन मार्च को जिला बाल संरक्षण अधिकारी को उसकी आठ वर्षीय बच्ची का दाखिला बालकुंज में करवाने के बारे में प्रार्थना पत्र दिया था। इसके बाद बच्ची को

को बालिका बाल गृह छछरौली की अध्यक्षता द्वारा बच्ची का संपूर्ण मेडिकल करवाने बारे बाल कल्याण समिति को पत्र भेजा।

पिता को जानकारी देने पर भी नहीं दिया ध्यान

इस दौरान बालकुंज में काउंसलर कोमल शर्मा द्वारा बच्ची की काउंसलिंग की गई। काउंसलिंग में बच्ची ने बताया कि उसके चाचा के लड़के गुरसिमरन तथा बुआ के लड़के गुरमीत सिंह व कुरमन सिंह ने उसके साथ गलत काम किया है। उसने घटना के बारे अपने पिता और बुआ को भी बताया था मगर उन्होंने भी इसकी तरफ ध्यान नहीं दिया। अब उसके पेट में दर्द रहता है। मामले की गंभीरता को देखते हुए काउंसलर कोमल शर्मा ने बच्ची का मेडिकल करवाने बारे लिखा और इसकी सचना वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष को दी गई।

वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष नीरा जैन ने इसकी सूचना महिला पुलिस थाने में दी।पुलिस ने वेलफेयर कमेटी की अध्यक्ष की शिकायत पर आरोपी गर सिमरन, गरमीत सिंह व कुरमन सिंह के खिलाफ छह पोक्सो एक्ट के तहत केस दर्ज कर कार्रवाई

अनाजमंडियों के अस्तित्व पर खतरा : रतन

- केंद्र सरकार की कृषि विपणन बाजार नीति पर विरोध जताया
- भाकियू की बैठक में किसानों की समस्याओं पर विचार-विमर्श

हरिभूमि न्यूज≯≯। इंदी

भारतीय किसान यूनियन की बैठक किसान भवन इंद्री में हलका प्रधान दिलावर सिंह की अध्यक्षता में हुई। बैठक में मुख्य रूप से भारतीय किसान यूनियन के प्रदेशाध्यक्ष रतन मान ने शिरकत करते हुए किसानों की समस्याओं पर विचार विमर्श किया और अपनी मांगों को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी कर

उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा मंडियों का अस्तित्व खत्म करने की है। केंद्र सरकार द्वारा बनाई गई कृषि विपणन बाजार नीति उन्ही तीन कानूनों का प्रारूप है जिनका किसानों ने भारी विरोध किया था



इंद्री। किसान भवन में सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते भाकियु नेता व किसान।

और सरकार को ये कानून वापस लेने पडे थे। यदि कृषि विपणन बाजार नीति लागु हो गई तो मंडियां खत्म हो जाएगी और फसलों की खरीद परी तरह से कॉपीरेट के हाथों में चली जाएगी। यदि मंडी खत्म हो गई तो किसान बर्बाद हो जाएगा। कृषि विपणन नीति लागु हुई तो किसानों को अपनी फसल को कॉरपोरेट खरीदारों के पास लेकर जाना पड़ेगा और कंपनियां फसल का भाव तय करेगी जिससे किसानों को फसल के पुरे दाम नही मिलेंगे ।

> 11 को देंगे ज्ञापन

इस नीति के विरोध में 11 मार्च को हरियाणा के सभी जिलों मे जिला उपायुक्त को मुख्यमंत्री का नाम का ज्ञापन सौंपा जाएगा। किसान करनाल में पुरानी कचहरी के पास इकट्ठा होकर प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय में पहुंचकर उपायुक्त को ज्ञापन देकर इस नीति को वापस लेने की मांग करेंगे । भादसों शुगर मिल ने किसानों की बकाया पेमेंट छेड़ने पर मजबूर होंगे ।

जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल को मिली सफलता

 आरोपियों को अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत में जेल भेजा

हरिभूमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

जिला पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल की टीम ने अलग-अलग दो स्थानों से दो युवकों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से प्रतिबंधित दवाई ट्रामाडोल के 2352 कैप्सूल बरामद किए हैं। पुलिस ने दोनों आरोपी युवकों के खिलाफ केस दर्ज कर उन्हें अदालत में पेश कर कार्रवाई शुरु कर दी।

पलिस सुत्रों से मिली जानकारी के अनसार एंटी नारकोटिक सेल की टीम में तैनात एएसआई प्रवीन कुमार ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह बिलासपुर क्षेत्र में टीम के साथ गश्त कर रहा था। इस दौरान उसे सूचना मिली थी कि गांव बिहटा



यमुनानगर। नारकोटिक सेल की टीम द्वारा प्रतिबंधित कैप्सूल के साथ पकड़े गए

के पास एक युवक प्रतिबंधित दवाईयों के साथ घूम रहा है। आरोपी प्रतिबंधित दवाईयां बेचने की फिराक में है। सूचना मिलते ही उसने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे युवक को हिरासत में लेकर उसकी

तलाशी ली तो उसके पास से 48 स्ट्रीप बरामद हुई। जिसमें प्रतिबंधित दवाई ट्रामाडोल के 1152 कैप्सूल थे। सरकार द्वारा इन कैप्सल पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान उत्तर प्रदेश के जिला सहारनुपर के गांव

सूचना पर कारवाई उधर, सेल के इंचार्ज जसविंद्र

सिंह ने बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि छछरौली रोड पर एक युवक प्रतिबंधित दवाईयों के साथ घूम रहा है। सूचना मिलते ही उन्होंने टीम का गठन किया। टीम ने मौके पर पहुंचकर वहां संदिग्ध परिस्थितियों में घूम रहे यवक को हिरासत में लेकर उंसकी तलाशी ली तो उसके पास से प्रतिबंधित दवाई ट्रामाडोल के १२०० कैप्सल बरामढ हुए। पूछताछ के दौरान आरोपी की पहचान आंव अराइयावाला निवासी वीरभान के रूप में हुई। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर केस दर्ज कर लिया।

सतपुरा निवासी रवि कुमार के रूप में हुई। पलिस ने आरोपी के खिलाफ केस दर्ज कर उसे अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया।

दंपत्ति पर तेजधार हथियार से हमला कर किया घायल

हमले के आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

गांव बाक्करवाला में कहासुनी होने पर पिता-पुत्र ने दंपत्ति पर तेजधार हथियार से हमला कर घायल कर दिया। घायल दंपत्ति का इलाज अस्पताल में चल रहा है। पुलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार गांव बाक्करवाला निवासी सतवंत सिंह ने प्रतापनगर थाना पलिस को दी शिकायत में बताया कि उसका कुछ दिन पहले गांव के ही प्रदीप कुमार के साथ किसी बात को लेकर कहासनी हो गई थी। उस समय अन्य लोगों ने समझा कर मामला शांत करवा दिया। मगर उसके बाद से आरोपी

 आरोपी जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए

उससे रंजिश रखने लगा। सतवंत सिंह ने बताया कि पांच मार्च को शाम सात बजे वह किसी काम से

इस दौरान प्रदीप ने ने उसे रास्ते में रोक लिया और उसके साथ बहस करने लगा। बहस बढ़ने पर आरोपी ने अपने बेटे जशन सिंह के साथ उस पर तेजधार हथियारों से हमला कर दिया। जब उसकी पत्नी कोमल उसे छुडवाने के लिए आई तो आरोपियों ने उस पर भी हमला कर घायल कर दिया। इसके बाद आरोपी उन्हें जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए।

लोगों ने उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती करवाया और मामले की सूचना पुलिस को दी। पलिस ने मामले की जांच के बाद आरोपी पिता-पुत्र के खिलाफ केस दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी।

साटू कार्यकर्ताओं ने सीपा ज्ञापन

से

हरिभूमि न्यूज ▶े। कुरुक्षेत्र

सीटू से संबंधित सभी यूनियनों ने सीटू के राष्ट्रीय आह्वान पर अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस ताज पार्क कुरुक्षेत्र में मनाते

बीडीओपी महिलाओं और स्कीम वर्कर्स की मांगें पूरी करे सरकार

प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री के नाम, महिलाओं और स्कीम वर्कर की मांगों का ज्ञापन सौंपा।

धरने की अध्यक्षता सीटू जिला प्रधान रानी देवी ने की व संचालन आशा वर्कर यनियन जिला उपप्रधान मनजीत ने किया। प्रदर्शनकारियों को संबोधित करने



वालों में संदीप नरवाल, बलजीत कुंडु, सुरेश गुढ़ा,मास्टर दयानंद, महावीर प्रसाद दिहया, राजविंदर सिंह चन्दी, अनिल कुमार प्रोग्राम में शामिल रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम में वक्ताओं ने रखे विचार

लैंगिक असमानता में तेजी से प्रगति की जरूरत

 हिंसा का मकाबला करने जैसे क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई हो

हरिभूमि न्यूज🌬 करनाल

राष्ट्रीय डेयरी अनुसंधान संस्थान, करनाल के डॉ. डी. सुंदरसेन सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया।

अपने अध्यक्षीय भाषण में संस्थान के निदेशक एवं कुलपति डॉ. धीर सिंह ने कहा कि 2025 का विषय "सभी महिलाओं और लडिकयों के लिए अधिकार। समानता व सशक्तीकरण" सार्वभौमिक अधिकारों और अवसरों के महत्व पर जोर देता है, यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक महिला और लड़की अधिक न्यायसंगत भविष्य में योगदान दे सकें।" यह लैंगिक समानता में तेजी



रेखांकित करता है। दशकों के प्रयासों के बावजूद, कुछ स्थानों पर लैंगिक असमानता बनी हुई है, जिससे आर्थिक भागीदारी और हिंसा का मुकाबला करने जैसे क्षेत्रों में तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता है। विषय एक अंतरविषयक दष्टिकोण की वकालत करता है, यह मानते हए कि असमानता महिलाओं

स्थिति जैसे कारकों के आधार पर अलग-अलग तरीके से प्रभावित करती है । यह एनडीआरआई के लिए बहुत बड़ी बात है कि इस संस्थान में 50% से अधिक छात्राएं पढ़ रही हैं और एनडीआरआई में आयोजित पिछले 20वें दीक्षांत समारोह में 6 पदक छात्राओं ने जीते। उन्होंने कहा कि हमारा

संस्थान (जेंडर एडवांसमेंट फॉर ट्रांसफॉर्मिंग इंस्टीट्यूशंस) का भी हिस्सा था, जो विज्ञान और प्रौद्योगिकी में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए एक नया हस्तक्षेप कार्यक्रम है। संयुक्त निदेशक (शैक्षणिक)

डॉ. ए.के.सिंह और संयुक्त निदेशक (अनुसंधान) डॉ. राजन शर्मा ने कहा कि यह दिन हमें महिलाओं द्वारा समाज में दिए गए योगदान और उनके सामने आने वाली चुनौतियों की याद दिलाता है। कार्यक्रम में भारतीय किष प्रणाली की महिला प्रतीक पर छात्रों द्वारा तैयार किए गए लघु वीडियो भी दिखाए गए। स्वयं सहायता समूहों, बाल शिक्षा और ड्रोन दीदी के नेतृत्व में डेयरी महिलाओं के क्षेत्र में काम करने वाली महिलाओं पर संक्षिप्त कहानियां प्रदर्शित की गईं।

एनडीआरआई, करनाल के छात्रों द्वारा तैयार की गई /"एसेंस ऑफ शी/" नामक लघु फिल्म भी प्रदर्शित की गई।

मजबूत कानूनी ढांचा हरियाणाँ राज्य विधि आयोग, पंचकुला की सदस्य डॉ. सारिका गुप्तां मुख्य अतिथि थीं। डॉ. सारिकां ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए सरोजिनी नायडू की भूमिका की सराहना की और कहा कि भारत में, राष्ट्रीय महिला दिवस, १३ फरवरी को प्रतिवर्ष मनाया जाता है और सरोजिनी नायडू की जयंती मनाई जाती है। डॉ. सॉरेका ने कहा कि हमारे देश में, महिलाओं के अधिकारों को एक मजबूत कानूनी ढांचे द्वारा सुरक्षित किया जाता है जिसमें संवैधानिक प्रावधान और विशिष्ट कानून शामिल हैं।

हत्या के आरोपी को उम्रकेद और जुर्माना

 खेत की जमीन को लेकर किया था पीडित व परिजनों पर हमला

 हमले में घायल महिला की अस्पताल में हो गई थी मौत

हरिभूमि न्यूज≯≯। कुरुक्षेत्र

जिला कुरुक्षेत्र की अतिरिक्त सैशन न्यायाधीश की अदालत ने हत्या करने के आरोपी को उम्रकैद व जुर्माने की सजा सुनाई है। जानकारी देते हुए प्रदीप मलिक ने बताया कि 23 मई 2020 को थाना सदर थानेसर पुलिस को दी अपनी शिकायत में हरजीत सिंह वासी बीड पीपली ने बताया कि उसकी पीपली मंडी में आढ़तकी दुकान है।

उसका जसविन्द्र सिंह के साथ खेत जमीन को लेकर झगड़ा चल रहा है। 23 मई को वह दुकान बन्द करके घर पहुंचा तो जसविन्द्र सिंह व उसके साथी उनके घर पर लाठी डंडे, लोहे की बारी लेकर उसके घर



गलौच करने लगे जब उन्होंने उनका विरोध किया तो उन सबने उसके व उसके घर वालों के ऊपर हमला कर दिया। उनका शौर सुनकर आस-पास के पड़ोसियों ने आकर उनका बीचबचाव करवाया। लडाई में उसकी माता को काफी चोटे आई जिसके वजह से उनको सरकारी अस्पताल में दाखिल करवाया। चोट ज्यादा लगने के कारण डाक्टरों ने एलएनजेपी अस्पताल रैफर कर दिया जहां पर ईलाज के दौरान उनकी मौत हो गई थी। मामले की नियमित सुनवाई करते हुए अतिरिक्त सैशन न्यायाधीश की अदालत ने सजा सुनाई है।

खबर संक्षेप

खेलों में भविष्य बनाने की अपार संभावनाएं

पिहोवा। सांसद नवीन जिंदल ने कहा कि युवाओं के लिए खेलों में भविष्य बनाने की अपार संभावनाएं हैं। खेल बहुत कम उम्र में दौलत शोहरत वो सब चीज देता है। जिससे एक अलग पहचान बनती है। युवा नशे से दूर रहकर खेलों में भविष्य तलाश करें। सांसद जिंदल गांव झींवरहेडी में संत बाबा जगीर सिंह एनआरआई सभा की ओर से करवाए जा रहे दूसरे कबड्डी कप में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे।

सांसद के जन्मदिन पर लगाया रक्तदान शिविर

पिहोवा। सांसद नवीन जिंदल के जन्मदिन के उपलक्ष्य में भाजपा कार्यालय में जय भगवान शर्मा की अध्यक्षता में रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि सांसद नवीन जिंदल ने पहंचकर रक्तदाताओं का हौंसला बढ़ाया। सांसद जिंदल ने कहा कि रक्त को बचाया तो जा सकता है। लेकिन बनाया नहीं जा सकता। इसलिए रक्तदान के महत्व को समझना बहुत जरूरी है।

आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया

करुक्षेत्र। गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में आचार्य दक्षता वर्ग का आयोजन किया गया। दक्षता वर्ग का आरंभ प्राचार्य सुमन बाला द्वारा दीप प्रज्वलन के द्वारा किया गया। आचार्य अनीता द्वारा प्रातः स्मरण, मंजू द्वारा एकात्मता मंत्र एवं आचार्य अंजू द्वारा एकात्मता स्तोत्र कराया गया। आचार्य शीला ने विभिन्न योग आसन करवाए एवं रश्मि द्वारा पथ संचलन का अभ्यास कराया गया।

प्रमारी बीके हरिप्रसाद से रीना ने की मुलाकात

कुरुक्षेत्र। राजीव गांधी पंचायती राज संगठन की राष्ट्रीय संयोजक रीना वाल्मीकि ने कांग्रेस के हरियाणा प्रभारी बीके हरिप्रसाद से नई दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में मुलाकात की। इस दौरान रीना वाल्मीकि ने प्रभारी बीके हरिप्रसाद के साथ प्रदेश की राजनीति पर चर्चा की। प्रभारी के पूछने पर हरियाणा के नए प्रदेश अध्यक्ष के नाम पर भी सार्थक चर्चा की।

श्रीअनंत प्रेम आश्रम का सत्संग सम्मेलन शुरू

पिहोवा। गुरुद्वारा रोड केशव विहार स्थित श्री अनन्त प्रेम आश्रम में दो दिवसीय 8 व 9 मार्च को होने वाला 23वा वाषिक सत्सग सम्मलन शनिवार को शुरू हो गया है। इसके लिए आश्रम को भव्य ढंग से सजाया गया है, ओर श्रद्धालुओं की सुख सुविधाओं के लिए व्यापक प्रबंध किए गए है। आश्रम की व्यवस्थापक संत प्रेम साधनानंद ने बताया कि प्रातः 9 बजे श्री रामचरित मानस के अखंड पाठ का शुभारंभ हुआ।

कुरुक्षेत्रः पुरस्कार विजेता छात्राओं को दी बधाई

कुरुक्षेत्र। विद्या भारती हरियाणा द्वारा प्रति वर्ष विद्यार्थियों में छिपी हुई प्रतिभा को खोजने एवं सझबझ पैदा करने के लिए प्रतियोगी परीक्षाओं का आयोजन किया जाता है, इसी कड़ी में हिन्दू शिक्षा समिति एवं विद्या भारती हरियाणा के तत्वावधान में अमीन रोड स्थित गीता कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 28 को नारायण प्रतिभा खोज परीक्षा आयोजित हुई थी।

कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिंद्र कौर ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया

हरिभूमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

डीएवी गर्ल्स कॉलेज के वुमेन सेल व संगीत विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कॉलेज में गायन प्रतियोगिता फागुन के सुर का आयोजन किया गया। वहीं, वुमेन सेल व फैशन डिजाइनिंग विभाग की ओर से टाई एंड डाई प्रतियोगिता हुई। कॉलेज प्रिंसिपल डॉ. सुरिंद्र कौर ने मुख्यातिथि के रुप में भाग लिया। जबिक वुमेन सेल कनवीनर डॉ. मीनाक्षी सैनी, संगीत विभाग अध्यक्ष डॉ. नीता द्विवेदी व फैशन डिजाइनिंग विभाग अध्यक्ष मंजीत कौर ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

डीएवी गर्ल्स कॉलेज में गायन प्रतियोगिता फागुन के सुर का आयोजन, टाई एंड डाई स्पर्धा में रमनप्रीत रही प्रथम

खास **बातें** सुर प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की पूजा ने अळ्वल रही

प्राचार्या डॉ .

सुरिंद्र कौर ने मुख्यातिथि के रुप में लिया भाग

विजेताओं को नगद राशि व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया

फागुन के सुर प्रतियोगिता में बीए द्वितीय वर्ष की पूजा ने पहला, बीए प्रथम वर्ष की मेघांशू व बीए अंतिम वर्ष की अंशु ने संयुक्त रूप से दूसरा स्थान अर्जित किया। बीए द्वितीय वर्ष की मंशु व वाणी ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान अर्जित किया। मोहिनी, गरलीन व पलक को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया। जबकि टाई एंड डाई प्रतियोगिता में पीजी डिप्लोमा इन फैशन डिजाइनिंग की रमनप्रीत ने पहला, बीएससी द्वितीय वर्ष की आंचल ने ढूसरा तथा बीएससी अंतिम वर्ष शायना ने तीसरा व बीएससी प्रथम वर्ष की संजली ने संयुक्त रूप से तीसरा स्थान अर्जित किया। खुशी आर्य व मिनाली को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। विजेता प्रतिभागियों को नगद राशि व प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित भी किया गया।



यमुनानगर। डीएवी गर्ल्स कॉलेज में आयोजित टाई एंड डाई प्रतियोगिता की विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित करते हुए प्राचार्या व अन्य।

मुख्यातिथि एवं कॉलेज प्राचार्या डॉ. सुरिंद्र कौर ने कहा कि हर छात्रा में टैलेंट होता है। बशर्ते उसे पहचानने की जरूरत है। छात्राओं की प्रतिभा को निखारने के लिए कॉलेज उन्हें बेहतरीन मंच पढान कर रहा है। गायन

प्रतियोगिता के जरिए जहां छात्राओं ने अपनी मधुर आवाज को प्रदर्शित किया। वहीं टाई एंड डाई प्रतियोगिता में दौरान उन्होंने दुप्पटों में रंगभर कर फागून के रंगों को महका दिया। गायन प्रतियोगिता में शालिनी छाबड़ा व विवेक ने निर्णायक मंडल की भूमिका अद्धा की। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पूजा सिंदवानी व रजवंत कौर ने सहयोग ढिया। कार्यकम के सफल आयोजन में उर्वशी व पूनम ने

यमुनानगर। छछरौली थाना पुलिस ने पिता-पुत्री को जाति सूचक शब्द बोलने के आरोप में आरोपी व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। पुलिस मामले की

जाति सूचक शब्द

बोलने का आरोप

जांच में जुटी है। पुराना बस अड्डा बरवाला निवासी दौलत राम ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि वह अपनी बेटी के साथ छछरौली आया था। जहां पर वेद प्रकाश ने उन दोनों को जाति सूचक शब्द बोलकर उनको प्रताडित किया है। इसके साथ ही आरोपी ने

उनके साथ दुव्यवहार किया। उसने आरोपी के खिलाफ पलिस में शिकायत दी। पुलिस ने आरोपी वेद प्रकाश के खिलाफ केस दर्ज सहयोग दिया। 🗸 कर कार्रवाई शुरू कर दी।

शहर की सड़कों व बाजारों में जाम से मिलेगी निजात

ट्विन सिटी में अब रेहड़ियां वेंडिंग जोन में होंगी शिफ्ट

नगर निगम ने पथ विक्रेताओं की रेहडियां वेंडिंग जोन में शिफ्ट करने की प्रक्रिया का किया शुमारंभ

हरिभूमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

ट्विन सिटी (यमुनानगर जगाधरी) की सडक किनारें खडी रेहडियों से अब जाम लगने की समस्या से लोगों को जल्द निजात मिलेगी। नगर निगम द्वारा बनाए गए तीन स्ट्रीट वेंडिंग जोन में इन रेहड़ियों का शिफ्ट करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। तीनों स्ट्रीट वेंडिंग जोन में पथ विक्रेताओं को बुथ अलॉट कर दिए गए हैं। इन स्ट्रीट वेंडर्स का सेक्टर 17 के पास गणेश मार्केट के पास बने वेंडिंग जोन, प्रकाश चौक व मॉडल टाउन में जब्बी वाला गुरुद्वारा के नजदीक बने स्टीट वेंडिंग जोन में बूथ अलॉट किए गए हैं। अब निगम द्वारा इन्हें शिफ्ट करने की पूरी तैयारी है। निगमायुक्त आयुष सिन्हा के निर्देशों पर निगम सफाई निरीक्षक अमित कांबोज व टीएफआई गोपाल बक्शी की टीमों ने पथ विक्रेताओं के पास पहुंचकर



उन्हें अपनी रेहडियां वेंडिंग जोन में शिफ्ट करने के लिए निर्देश दिए। उन्होंने रेहडी संचालकों को समझाया कि यदि वह वेंडिंग जोन में शिफ्ट नहीं होंगे तो निगम प्रशासन द्वारा कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने बताया कि गणेश मार्केट स्थित वेंडिंग जोन में 196, प्रकाश चौक पर 44 व जब्बी वाला गुरुद्वारा के पास बने वेंडिंग जोन में

स्ट्रीट वेंडर्स के लिए 96 बूथ स्ट्रीट

वेंडर्स के लिए तैयार हैं। तीनों वेंडिंग

<u>रेहड़ियां शिफ्ट होने से जाम की समस्या होगी दूर</u>

शहर के जगाधरी के प्रकाश चौकए बस स्टैंड, पुराना रेलवे रोड, सिविल लाइन, मुख्य बाजार, खेड़ा बाजार, बुड़िया चौक, मॉडल टाउन, वर्कशॉप रोड, संतपुरा रोड, अंबाला रोड, कोर्ट रोड समेत शहर के विभिन्न मार्गों व चौकों पर काफी संख्या में रेहडियां व फडियां लगती हैं। इससे बाजार में जाम के हालात बने रहते हैं। अब रेहड़ियों के वेंडिंग जोन में शिफ्ट होने से शहर की सड़कों व बाजारों में लगने वाले जाम से राहत मिलेगी।

जोन में पार्किंग, पानी, लाइट, शौचालय व अन्य व्यवस्थाएं की गई हैं। बुथ के ऊपर बारिश व धूप जिनके नीचे खड़े होकर स्ट्रीट व्यवस्था होगी।

वेंडर्स अपना सामान बेच सकेंगे। पेयजल के लिए वेंडिंग स्थल पर नलों की व्यवस्था है। वेंडिंग जोन में से बचने के लिए शेड बनाए हुए हैं। कचरा डालने के लिए कूड़ेदान की

सर्च अभियान में 74 वाहनों के चालान

 आरोपी वाहनों पर लगाया 14 लाख चार हजार सौ का जुर्माना

हरिभुमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

जिला प्रशासन व खनन विभाग द्वारा सर्च अभियान के तहत शक्रवार रात जिले में 1489 वाहनों की चैकिंग की गई। इस दौरान 74 वाहनों के चालान कर 14 लाख 4 हजार 100 रुपये का जुर्माना लगाया गया। उपायुक्त पार्थे गुप्ता ने बताया कि स्क्रीनिंग प्लांट द्वारा गत फरवरी माह में 79415.39 मीट्रिक टन खनिज का ई.रवाना काटा गया। जबकि मार्च के पहले सप्ताह में ही स्क्रीनिंग प्लांट पर 40277 मीट्रिक टन खनिज का ई.रवाना काटा गया है। स्टोन क्रैशर फरवरी में 48552.95 मिट्रिक टन खनिज का ई.रवाना काटा गया।



यमुनानगर। चलाए जा रहे सर्च चेकिंग अभियान के तहत खनिज वाहन का नियमों की अवहेलना करने पर चालान काटते हुए खनन विभाग की टीम। *फोटो: हरिभूमि*

स्टोन क्रैशर पर 24889.95 मिट्रिक खनिज का ई.रवाना काटा गया। उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने बताया कि सर्च चैकिंग अभियान के तहत एसडीएम छछरौली की टीमों द्वारा 635 वाहनों की चैकिंग के दौरान आरटीए विभाग द्वारा 24 वाहनों का चालान कर 6 लाख 48 हजार रुपये

जबिक मार्च के पहले सप्ताह में ही का जुर्माना लगाया गया। एसडीएम जगाधरी की टीमों द्वारा 214 वाहनों की चैकिंग के दौरान 14 वाहनों का चालान कर 2 लाख 62 हजार रुपये का जर्माना लगाया गया। एसडीएम रादौर की टीमों द्वारा 547 वाहनों की चैकिंग के दौरान 14 वाहनों का चालान कर 1 लाख 92 हजार का

काउंटिंग टीमों का रेंडमाइजेशन

 निकाय चुनाव को लेकर उपायुक्त पार्थ गुप्ता ने दी जानकारी

हरिभूमि न्यूज 🛏 यमुनानगर

नगर निगम यमुनानगर जगाधरी व नगर पालिका रादौर के चनाव की मतगणना को पारदर्शी, निष्पक्ष तरीके से सम्पन्न करवाने के लिए जिला सचिवालय में काउंटिंग टीमों का रेंडमाइजेशन किया गया। इस दौरान रेंडमाइजेशन जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त पार्थ गुप्ता की अध्यक्षता में किया गया।

मौके पर नगर निगम चुनाव के रिटर्निंग अधिकारी एवं एसडीएम सोन् राम, नगराधीश पीयुष गुप्ता, डीआईओ विनय गुलाटी,



रेंडमाइजेशन करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ गुप्ता व अन्य अधिकारी।

नायब तहसीलदार चुनाव गुलशन शर्मा आदि मौजुद रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ गुप्ता ने बताया कि नगर निगम यमनानगर जगाधरी की मतगणना 12 मार्च को आईटीआई यमुनानगर में सुबह 8 बजे शुरू होगी। मतगणना के लिए शुरू होगी।

16-16 टेबल लगाई गई हैं और नगर निगम की मतगणना 22 राउंड में परी कर ली जाएगी। नगर पालिका रादौर की मतगणना 12 मार्च को राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सेकेंडरी स्कुल रादौर में सुबह 8 बजे

अर्शिया ने जीती भाषण प्रतियोगिता

 टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट संस्थान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता

हरिभूमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन यमुनानगर में इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथेरेपिस्ट वूमेन सेल के सहयोग से संस्थान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस उत्साह से मनाया

इस दौरान महिलाओं के अधिकार. समानता, सशक्तिकरण विषय पर बीपीटी व एमपीटी विद्यार्थियों के लिए भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बेहरा व तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं,

डॉ. हिमांश शेखर ने विद्यार्थियों को इस प्रकार के कार्यकमों में भाग लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि यह आयोजन अत्यंत सफल रहा है। यह संस्थान की प्रतिबद्धता को दर्शाता है कि वह एक समावेशी एवं सशक्त वातावरण को बढावा ढेने के लिए हमेशा तत्पर रहेगा। प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बेहरा ने कहा कि टीडीटीआर डीएवी इंस्टीट्यूट ऑफ फिजियोथेरेपी एंड रिहैबिलिटेशन लैंगिक समानता और महिलाओं के अधिकारों के प्रति जागरूकता और कार्रवाई को प्रोत्साहित करने के लिए संकल्पबद्ध है। मौके पर डॉ. गगनदीप सिंह, डॉ. अनुराग और डॉ. मंज्योत आदि ने विजेता विद्यार्थियों को बधाई दी।

फिजियोथेरेपिस्ट वमेन सेल की मख्य सदस्य एवं जिला समन्वयक डॉ. रुचिका गुप्ता व उप समन्वयक डॉ. हीना ललित ने दीप प्रज्जवलित करके किया। संस्थान के प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बेहरा ने बताया कि भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता में छात्रा अर्शिया कांबोज ने प्रथम, गौरीका होंडा ने द्वितीय व साक्षी ने

एसोसिएशन ऑफ रिया को सांस्तवना पुरस्कार दिया गया। मौके पर विजेताओं को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्राचार्य डॉ. हिमांशु शेखर बेहरा ने कार्यक्रम में महिलाओं के अधिकारों, समानता और उनके सशक्तिकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

उन्होंने विद्यार्थियों को समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

रादौर में जन मानस में पुरुष व महिला की समानता विषय पर आयोजित कार्यकम

हरिभूमि न्यूज 🕪 रादौर

जेएमआईटी इंजीनियरिंग कॉलेज रादौर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जन मानस में पुरुष व महिला की समानता विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मौके पर फैशन परेड का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने किया। मौके पर विद्यार्थियों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम व नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर महिलाओं की स्थिति व दशा का प्रस्तुतिकरण किया गया। संस्थान के निदेशक डॉ. संजीव कुमार गर्ग ने



नाटक की प्रस्तुति देते विद्यार्थी।

राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में शिविर का आयोजन

कहा कि इस दिन को मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य महिलाओं की उपलब्धियों, योगदान को याद कर लोगों तक पहुंचाना है। इसके साथ ही लैंगिक समानता व महिलाओं के सामने आने वाली चुनौतियों के बारे में समाज के बीच जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला

महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाने और उनके अधिकारों के प्रति जागरूकता बढाने का एक कहा कि यह दिन हमें यह याद दिलाता है कि महिलाओं ने समाज, राजनीति, अर्थव्यवस्था व विज्ञान जैसे विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण ने पंजाबी संगीत पर नृत्य पेश कर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वहीं, विद्यार्थियों ने बेटी की उड़ान नामक नाटक प्रस्तुत किया। इसमें एक बेटी की उडान का सफर को बहत ही मार्मिक ढंग से दर्शाया गया। अभय ने उड़ा गुलाब गाने की मैशअप पर प्रस्तुति दी। इसके उपरांत एक शिक्षात्मक वीडियो का भी प्रस्तुतिकरण किया गया। जिसमें महिला का सामाजिक जीवन में महत्व दिखाया गया। साक्षी ने हरियाणवी नृत्य से सभी का दिल जीत लिया। कार्यक्रम की रूपरेखा महिला प्रकोष्ठ की अध्यक्ष डॉ. पूजा शर्मा व डॉ. अनीता अन्नोल द्वारा तैयार की गई। मौके पर डॉ. उमेश सिंह, डॉ. एलएस रीन, डॉ. नवदीप चोपडा, डॉ. पंकज शर्मा, डॉ. गगनप्रीत कौर, दीप्ति चौहान, राजीव बंसल, मनिंदर सिंह, निधि सेठ, निशा रहेजा व डॉ.

अधिकारों के बारे में किया जागरूक

 राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैंप में मनाया अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस

हरिभूमि न्यूज 🛏 यमुनानगर

राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कैंप में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय की प्रधानाचार्या डॉ. ऊषा नागी ने की। इस अवसर पर सीजीएम कीर्ति वशिष्ठ मुख्यातिथि के रूप में उपस्थित रही। मुख्यातिथि ने विद्यार्थियों को महिला एवं बाल अधिकारों के बारे में जागरूक किया। इस दौरान स्कूल मुखिया डॉ.



यमुनानगर । राजकीय आदर्श संस्कृति वरिष्ट माध्यमिक विद्यालय कैंप में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस अवसर पर कार्यक्रम को संबोधित करती मुख्यातिथि।

करते हुए कहा कि आज किसी भी क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों से कम नहीं हैं। हर क्षेत्र में महिला पुरुष के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चल रही है। लड़िकयों को इंदिरा गांधी, मानुषी छिल्लर, किरण बेदी, कल्पना चावला, लक्ष्मीबाई, साइना नेहवाल और अन्य वीरांगनाओं से सीख उषा नागी ने छात्राओं को संबोधित लेकर एक उच्च मुकाम हासिल

करना चाहिए। साथ ही प्रिंसिपल ने विद्यालय में छात्राओं को दी जा रही तमाम सुविधाओं से भी अवगत करवाया। इस मौके पर लीगल लिटरेसी जिला समन्वयक संजय कांबोज, बालिका मंच कोआर्डिनेटर मोहिनी, रेखा गुप्ता, कंप्यूटर टीचर प्रिया मानिकटाहला, निशा, रजनी, सुमन शर्मा आदि मौजूद रहे।

उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी
डॉ. दिव्या मंगला ने मुख्यातिथि

 अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित

हरिभूमि न्यूज 🕪 यमुनानगर

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान यमुनानगर में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में मुख्यातिथि के रूप में

रक्तदान शिविर में १२५ यूनिट रक्त एकत्रित

के रुप में लिया भाग

यमुनानगर। राजकीय औद्यगिक प्रशिक्षण संस्थान में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदाताओं को बैज लगाकर शुभारंभ करते हुए अतिथि।

अध्यक्षता संस्थान के प्रधानाचार्य उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिव्य मंगला ने भाग लिया। जबिक दीपेश महेंद्र ने की। शिविर का

<u>रिफ्रेशमेंट और मिल्टन वाटर बोतल साथ में दी</u> मौके पर 14 हरियाणा बटालियन से एडम आफिसर एनसीसी के हवलदार अर्जुन आदि , आईटीआई स्टाफ सदस्यों, प्रधनाचार्य दिपेश महेंद्र व विद्यार्थियों समेत सरस्वती नगर आईटीआई, नाचरौन आईटीआई व छछरौली आईटीआई के विद्यार्थियों ने भाग लिया। मौके पर एनसीसी ऑफिसर निर्मल सैनी ने बताया

कि यह ब्लंड डोनेशन कैंप मां ब्लंड बैंक गोयल अस्पताल व स्माइल फाऊंडेशन के ऑर्गेनाइजर डॉक्टर संजीव मेहता के सहयोग से लगाया गया। मौके पर रक्तदाताओं को रिफ्रेशमेंट तथा मिल्टन वाटर बोतल साथ में दी गई। प्रधानाचार्य दीपेश महेंद्र ने मुख्यातिथि डॉ. दिव्य मंगला व विशेष अतिथियों को मोमेंटो भेंटकर सम्मानित किया।

कर्नल जरनैल सिंह 14 हरियाणा बटालियन एनसीसी यमुनानगर के मार्गदर्शन में किया गया। रक्तदान

आयोजन कमांडिंग ऑफिसर शिविर में चिकित्सकों द्वारा रक्तदाताओं से 125 यूनिट रक्त एकत्र किया गया। रक्तदाताओं में उत्सााह दिखाई दिया

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस : नारी शक्ति सेवा सम्मान से सम्मानित हुई हरियाणा के विभिन्न शहरों से आई प्रतिभाएं

कुरुक्षेत्र

समरसता व सामंजस्य के संस्कारों को बढ़ावा देने की जरूरत: एडीसी

 सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर सभागार में कार्यक्रम का किया आयोजन

नारी का स्थान पूज्य : नरेश सैनी

हरिभूमि न्यूज≯≯। कुरुक्षेत्र

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर सेक्टर-3 स्थित शिव मंदिर सभागार में राष्ट्रपति पुलिस पदक से सम्मानित एवं डायमंड रक्तदाता डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने राष्ट्र स्तरीय नारी शक्ति सम्मान समारोह आयोजित किया। कार्यक्रम में कुरुक्षेत्र अतिरिक्त उपायुक्त सोनू भट्ट मुख्यातिथि रहे, जबकि कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय विधि संस्थान की निदेशक प्रोफेसर सुशीला चौहान ने अध्यक्षता की। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसबीर सिंह दग्गल और प्रयास फाउंडेशन के प्रधान नरेश सैनी अति विशिष्ट अतिथि रहे। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने अतिथियों का सम्मान तुलसी के पौधे भेंट कर किया। मुख्यातिथि अतिरिक्त उपायुक्त सोन भट्ट ने अपने कर कमलों से नारी शक्ति को सम्मानित करते हुए कहा कि आज का दिन बहुत ही महत्वपर्ण है। यद्यपि नारी परिवार. समाज के लिए धुरी का कार्य करती है, लेकिन आज समय की मांग है कि पुरुष वर्ग में भी नारी के समान ही भाव उत्पन्न हो, ताकि बीच की खाई समाप्त हो। उन्होंने कहा कि



कुरुक्षेत्र। नारी शक्ति सेवा सम्मान से सम्मानित हुई हरियाणा के विभिन्न शहरों से आई प्रतिभाएं, अतिथियों के साथ।

आज समरसता और सामंजस्य की भावना विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने सम्मानित होने वाली नारी शक्ति को बधाई दी। अध्यक्षता कर रही प्रो. सुशीला चौहान ने कहा कि आज नारी किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है, लेकिन संस्कारों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार न्याय परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष जसबीर सिंह दुग्गल ने कहा कि केंद्र व हरियाणा सरकार के साथ-साथ सामाजिक संस्थाओं द्वारा नारी उत्थान के लिए सराहनीय कार्य किया जा रहे हैं. मगर इन्हें और गति देने की जरूरत है। इतना ही नहीं, सही मार्गदर्शन और उच्च शिक्षा देकर किशोरियों को सुदृढ करना होगा। कार्यक्रम संयोजक डॉ. अशोक कुमार वर्मा ने कहा कि भारत तो सदा से ही नारी प्रधान देश रहा है। प्रयास फाउंडेशन के प्रधान नरेश सैनी ने कहा कि नारी का स्थान पूज्य है। मंच का संचालन

इन्हे मिला सम्मान

नारी शक्ति से ओत प्रोत इस कार्यक्रम में प्रो सुशीला चौहान, राजकुमारी पंवार, कुंटिया प्रधान रजवंत कौर, डॉ. कॉन्ता वर्मा, वरिष्ठ पत्रकार हिमशिखा व एकजोत कौर, ज्योति रोहिल्ला, डॉ नीतू बाला, अंजलि शर्मा. कंचन बाला, पिंकी श्योराण, सूषमा चौधरी, मोनिका भाटिया, आरती, रजनी बाला, नवीन, किरण चड्डा, मिनाक्षी शर्मा, सुरेखा, वंदना, डॉ. रमा और गुरजिंद्र कौर को नारी शक्ति संसम्मान प्रशस्ति पत्र, राष्ट्र ध्वज अंग वस्त्र और नारी शक्ति सेवा सम्मान चिन्ह से अलंकृत किया गया। इनके अतिरिक्त जीवनपर्यन्त समाज के लिए तत्पर सेवाभावी सुरज कमल सेठ और डॉ एम एम सिंह को आजीवन सेवा सम्मान से सुशोभित किया।

भारतेन्दु हरीश ने किया। कार्यक्रम के संचालन में डॉ. अरुण धीमान, कुलदीप सिंह, हितेश और ऋषि पाल ने योगदान दिया।

जिनसे समाज को प्रेरणा लेने और बालिका के महत्व

श्रेष्ठता साबित की है और कुछ क्षेत्रों में तो पुरुषों से

को स्वीकार करने की आवश्यकता है। समाज सेविका

मेजर नितिन बाली गीता निकेतन विद्या मंदिर में जागरूकता एवं सम्मान समारोह आयोजित

डॉ . सुरभि तिवारी ने महिलाओं के स्वास्थ्य पर जागरुक किया

हरिभूमि न्यूज ▶े। कुरुक्षेत्र

महिलाओं के सशक्तिकरण और स्वास्थ्य जागरूकता को समर्पित अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर मेजर नितिन वाली गीता निकेतन विद्या मंदिर, सुंदरपुर मार्ग, कुरुक्षेत्र में एक भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि चन्द्रिका शर्मा प्राध्यापिका, विशिष्ट अतिथिगण डॉ. सुरभि तिवारी, उर्मिल शर्मा पूर्व आचार्या, गरिमामई उपस्थिति प्राची सिंगला बिजनेस विमेन विद्यालय प्रबन्ध समिति उपाध्यक्ष डॉ ममता सद. प्राचार्या मंजुला शर्मा ने माँ सरस्वती के आगे शुभारंभ किया। कार्यक्रम में महिला शिक्षा, स्वास्थ्य और आत्मनिर्भरता पर सारगर्भित विचार व्यक्त किए गए। मख्य अतिथि चन्द्रिका शर्मा ने कहा कि नारी केवल परिवार की आधारशिला नहीं, बल्कि समाज की शक्ति और भविष्य की दिशा-निर्धारक भी है। हम महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए संकल्पित रहना चाहिए। डॉ. सुरभि तिवारी ने इस अवसर पर महिलाओं के स्वास्थ्य और पोषण पर विशेष रूप से जागरुक किया। विद्यालय की प्राचार्या मंजुला शर्मा ने कहा कि स्वस्थ नारी ही समाज की रीढ होती है। हमारी सोच ऐसी होनी चाहिए कि सशक्तिकरण जागरूकता केवल एक दिन का विषय न रहे, बल्कि यह अभियान पुरे

शिक्षित महिला विकास में दे सकती है योगदान : कौर

हरिमूमि न्यूज≯≯। कुरुक्षेत्र

जिला परिषद की चेयरमैन कंवलजीत कौर ने कहा कि शिक्षित और स्वस्थ महिला ही देश के विकास में अपना योगदान दे सकती है। इस विषय को फोकस रखते हए

प्रदेश सरकार ने हर 20 किलोमीटर के दायरे में महिला राजकीय कॉलेज खोलने का काम किया। इसके साथ ही महिलाओं के स्वास्थ्य की जांच के लिए स्वास्थ्य विभाग की तरफ से गांव लगाए जा स्तर पर शिविर लगाए जा रहे है। जिप रहे स्वास्थ्य चेयरमैन कंवलजीत कौर शनिवार को जिला परिषद की तरफ से गांव

दयालपुर में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित जिला स्तरीय कार्यक्रम में बोल रही थी। इससे पहले जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर, विशिष्टद्द अतिथि एवं भाजपा नेत्री सुंगधा सुधा, जिप की पूर्व उपाध्यक्ष परमजीत कौर कश्यप, सरपंच सीमा देवी, भाजपा नेत्री अन्तु माल्यान ने दीप शिखा प्रज्ज्वलित करके विधिवत रूप से कार्यक्रम का शभारंभ किया। जिला स्तरीय कार्यक्रम की विशिष्ट



कुरुक्षेत्र। महिलाओं को सम्मानित करती जिप चेयरमैन कंवलजीत कौर । ८केयके०८

अतिथि भाजपा नेत्री संगधा सधा ने अंतर्राष्ट्रिणय महिला दिवस पर बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज महिलाएं किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं है, चाहे खेल का मैदान हो या फिर देश की सीमाओं की रखा करने का विषय हो, महिलाएं समाज के हर क्षेत्र में अग्रणी होकर कार्य कर रही है। सरपंच सीमा देवी ने मेहमानों का आभार व्यक्त किया।

ये रहे मौजूद: इस मौके पर डिप्टी सीईओ कृष्ण लाल, रीना देवी, डा.मोनिका भारद्वाज, बीडीपीओ साहब सिंह, बीडीपीओ रूबल, लेखा अधिकारी सत्यभूषण,पीओ मनोज कुमार, राजेश कुमार सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

महिलाओं के हित के लिए कार्य कर रही सरकार : कलसान



कुरुक्षेत्र। दी धुराला बहु उद्देशीय सहकारी समिति धुराला के पुंगिण में विश्व महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गय। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शाहाबाद के भाजपा प्रत्याशी रहे सुभाष कलसाना उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सहकारी समितियों के सहायक रजिस्ट्रार प्रदीप चौहान ने की। समिति प्रबंधक अशोक मेहता ने समिति द्वारा महिलाओं के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि यह समिति महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए काम कर रही है। उन्होंने बताया कि महिलाओं के स्वयं

सहायता समूह बनाकर उन्हें समिति द्वारा ऋण उपलब्ध करवाया जाता है ताकि उन्हें आर्थिक सहायता प्रदान करके उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त किया जा सके। समिति में इस प्रकार के 10 समूह काम कर रहे हैं जिसमें 100 के करीब महिलायें जुड़ी हुई हैं। मुख्य अतिथि सुभाष कलसाना ने कहा कि हमारी सरकार महिलाओं के लिए बहुत काम कर रही है। सैनी समाज सभा के अध्यक्ष गुरनाम सिंह सैनी भी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

दीप प्रज्वलित करके कार्यक्रम का

करुक्षेत्र। ऑल इंडिया लॉयर्स फौरम के प्रदेश महासचिव एवं विश्व मानवाधिकार सरक्षा आयोग के राष्टीय सदस्य एडवोकेट अंकित गप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस हमें महिलाओं के संघर्षीं

महिलाएं समाज की रीढ़: अंकित गुप्ता



और उनकी उपलब्धियों को याद दिलाता है। यह दिन हमें महिलाओं के अधिकारों की रक्षा और उनके सशक्तिकरण के लिए काम करने के लिए प्रेरित करता है। एडवोकेट अंकित गुप्ता ने कहा कि हमें महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए

काम करना होगा। हमें उन्हें शिक्षा, स्वास्थ्य, और आर्थिक अवसर प्रदान करने होंगे। हमें उनकी सुरक्षा और सम्मान की रक्षा करनी होगी। उन्होंने कहा, हम सभी को महिलाओं के अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट होकर, उन्हें एक समृद्ध और सशक्त भविष्य प्रदान करने के लिए काम करना होगा।



उत्थान संस्था ने कन्या भ्रूण हत्याविरोधी शपथ पत्र किए वितरित

ये रहे मौजूद : इस अवसर पर समाजसेविका वंदना गौरी, एस डी स्कूल प्रबंधन सदस्या मंजू शर्मा,अध्यांपिका गगनप्रीत,प्रवीण चावला,रेणु,सुमन वर्मा, उर्मिला, आरती, सुमन धीमान, रीना, गीता, बिट्य, सोनिया, गुरविंदर, पूजा, रेखा, दीपिका, पूजा, दीपिका, इशू, शिल्पा, कल्पना, राज, सरिता, रिम्पी, कीर्ति, पूनम, वंदना गौरी ने कहा कि आज नारी ने हर क्षेत्र में अपनी निवता, रचना, सीमा वधवा, प्रवेश, रीमा, निशा, ज्योति, रुचिं, नीलम, साहिल सहित स्कूल स्टॉफ उपस्थित रहा।

बेहतर प्रदर्शन कर अपने महत्व को सिद्ध किया है। एस डी स्कल स्कल के प्रबंध निदेशक विकास शर्मी ने उत्थान सामाजिक संस्था के कन्या भ्रण हत्याविरोधी अभियान की सराहना करते हुए कहा कि उनके प्रयास से हजारों अजन्मी कन्याओं का अकाल मृत्यू से बचाव हो रहा है।

विकास में महिलाओं का महत्वपूर्ण योगदान



दर्शन चैरिटेबल डिस्पेंसरी शीला नगर में महिला चिकित्सकों एवं स्टॉफ सदस्यों ने केक काटकर अंतरराष्ट्रीय महिला

दिवस पर मनाया। दंत चिकित्सक डा. दीक्षा सैनी ने कहा कि वर्तमान में विकास के हर क्षेत्र में महिलाएं महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रही हैं। सबसे अहम आत्म विश्वास है, जिसके लिए उन्होंने महिलाओं को उनमें आत्म विश्वास बनाए रखने को कहा। कहा कि महिलाओं का जीवन कठिन व चुनौतीपूर्ण होता है। उन्होंने सभी महिलाओं से एक-दूसरे का हाथ थामने व साथ देने का प्रण लेने को कहा। इस अवसर पर डा. खुशबू, डा. काजल, सुमन, स्वीटी, निशा, अंजू, भावना व काजल मौजूद रहे।

एक स्वस्थ महिला ही स्वस्थ परिवार और समाज की होती है आधारशिला : संजय

हरिमुमि न्यूज ▶े । कुरुक्षेत्र

महिला सशक्तिकरण केवल अधिकारों की बात नहीं, बल्कि उनके स्वास्थ्य, सम्मान और खशहाल जीवन की भी पहचान है। इसी भावना को साकार करते हुए उदयन केयर संस्था कुरुक्षेत्र ने डी.आर. जैन न्यूरोकेयर एंड

 उदयन केयर संस्था द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

मल्टीस्पेशलिटी हॉस्पिटल, कुरुक्षेत्र के सहयोग से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर एक विशेष निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। इस कैंप में संस्था से जडी लडिकयों. उनकी माताओं और बहनों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं. ताकि वे अपने

जीवन में आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ सकें। डॉ. संजय शर्मा के नेतृत्व में आयोजित इस 1985वें निशल्क कैंप में रोगियों की संपूर्ण स्वास्थ्य जांच. ब्लंड शुगर, पल्स रेट, हीमोग्लोबिन परीक्षण किए गए और उन्हें आवश्यक परामर्श एवं निःशल्क दवाइयां वितरित की गईं। इस अवसर पर डॉ. संजय शर्मा ने कहा कि एक स्वस्थ महिला ही एक स्वस्थ परिवार और समाज



की आधारशिला होती है। अफसोस की बात यह है कि महिलाएँ अपनी जिम्मेदारियों में इतना उलझ जाती हैं कि वे खुद की सेहत को प्राथमिकता नहीं देतीं। लेकिन अब वक्त आ गया है कि वे अपने स्वास्थ्य को उतना ही महत्व दें, जितना वे अपने परिवार के स्वास्थ्य को देती हैं। यह कैंप सिर्फ एक सेवा नहीं, बल्कि एक संकल्प है—हर महिला स्वस्थ, आत्मनिर्भर और सशक्त बने। उदयन केयर होम, उदयन शालिनी फेलोशिप (यूएसएफ), आई.टी. सेंटर करुक्षेत्र की संयोजिका डॉ. सषमा शर्मा व डॉ राम निवास ने डॉ.संजय शर्मा एक्सपरटाइँज मेडिकल कैंपस, डॉ. प्रीति एवं उनकी समर्पित चिकित्सा टीम का सत्कार एवं आभार व्यक्त किया।

महिलाओं को किया गया सम्मानित

कुरुक्षेत्र। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय कं कुलपति प्रो. सोमनाथ सचदेवा के मार्गदर्शन में कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी सानियर संकेडरी मांडल स्कूल में शनिवार को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर करक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल सिंह ने स्कूल की शिक्षिकाओं व गैर शिक्षक कर्मचारी को सम्मानित किया। स्कूल परिसर में पहुंचने पर स्कूल की वाइस चेयरपर्सेन प्रो सुनीता दलाल व स्कूल के प्रधानाचार्ये डॉ. सुखविंद्र सिंह ने उनका स्वागत किया। करक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल सिंह ने कहा कि जिस घर में नारी की पूजा की जाती है और उसका मान सम्मान किया जाता है। प्रधानाचार्य डा सुखविंद्र ने बताया कि इस कार्यक्रम का आयोजन करुक्षेत्र विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो सोमनाथ सचदेवा व कुलसचिव डॉ वीरेंद्र पाल सिंह के मार्गदर्शन में किया गया।

जन संघर्ष मंच हरियाणा ने किया प्रदर्शन

 महिलाओं पर बढती हिंसा, गैर बराबरी, दमन – उत्पीडन के खिलाफ जनसभा आयोजित

हरिभुमि न्यूज ▶≥। कुरुक्षेत्र

जन संघर्ष मंच हरियाणा की ओर से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिलाओं पर बढ़ती हिंसा, गैर बराबरी, दमन - उत्पीड़न के खिलाफ श्रीरविदास मन्दिर एवं धर्मशाला थानेसर में जनसभा की गई। जनसभा के बाद महिलाओं ने शहर में प्रदर्शन किया। जनसभा में मंच की महासचिव सुदेश कुमारी, ऊषा कमारी ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का इतिहास कामकाजी महिलाओं द्वारा अपने कार्यस्थल पर शोषण, दमन,उत्पीड़न, लैंगिक असमानता के खिलाफ व 8 घंटे का कार्य दिवस, समान काम-समान वेतन, शिक्षा स्वास्थय व सार्वभौमिक मताधिकार आदि मांगों के लिए किए



गए संघर्षों का गौरवशाली इतिहास है। उन्होंने बताया कि सन् 1908 में अमेरिका के शहर न्यूयॉर्क में महिला मजदूरों ने अपनी मांगों को लेकर हडताल व विशाल प्रदर्शन किया था। 8 मार्च 1910 को डेनमार्क के कोपेनहेगन शहर में अंतर्राष्ट्रीय महिला सम्मेलन में मार्क्सवादी मजदुर नेता क्लारा जेटकिन ने महिलाओं के संघर्ष को यादगार

बनाने के लिये 8 मार्च को अंतर्राष्टीय महिला दिवस के रूप में मनाने का प्रस्ताव रखा जो सर्वसम्मति से पास हुआ। तब से लेकर आज तक महिलाएं अपने ऊपर हो रहे जुल्म-अत्याचार व शोषण-दमन, लैंगिक असमानता से मुक्ति हासिल करने के लिए अपने संघर्षों के प्रतीक 8 मार्च को संकल्प दिवस के रूप में मनाती है।

कुरुक्षेत्र पैनोरमा एवं विज्ञान केंद्र में महिला दिवस का आयोजन कुरुक्षेत्र। कुरूक्षेत्र पैनोरमा एवं

विज्ञान केन्द्र में अंतराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर डीएवी पब्लिक स्कल. करक्षेत्र की प्रधानाचार्या डॉ गीतिका जसुजा मुख्य अतिथि थी। उन्होंने सर्वप्रथम भारत की दो प्रमुख महिला वैज्ञानिको डॉ आशिमा चटर्जी एवं ई के जानकी अम्मल की प्रतिमाओं का अनावरण किया। उन्होंने तत्पश्चात विभिन्न विद्यालयों से आए हुए विद्यार्थियों हेत वैश्विक उत्थान में महिलाओं की भूमिका विषय पर एक लोकप्रिय व्याख्यान प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि आजादी से पहले डॉ आशिमा चटर्जी एवं ई के जानकी अम्मल ने विषम परिस्थितियों में अपनी वैज्ञानिक प्रतिभा का बोध करवाया तथा आज के यग में महिलाएं परुषों को बराबर की टक्कर दे रही हैं।

करुक्षेत्र। हवन यज्ञ में आहति डालते भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बडौली व अन्य।

धार्मिक आयोजनों में बढ़ चढ़कर भाग लेना चाहिए : मोहनलाल बड़ौली

करुक्षेत्र। धर्मनगरी के केशव पार्क में त्रिपरा पीठाधीश्वर यहा सम्राट हरिओम महाराज के सान्निध्य में हवन यज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली व उनकी पत्नी, पूर्व मंत्री सुभाष सुधा, थानेसर नगर परिषद की निवर्तमान अध्यक्षा उमा सुधा, ममता सैनी, भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष साहिल सुधा ने हवन यज्ञ में आहुति डाली। बतां दे कि केशव पार्क में 102वां 1008 कुंडीय जनकल्याण शिव शक्ति महायज्ञ का आयोजन 18 से 27 मार्च तक किया जाएगा। शनिवार को अठिन प्रज्जवल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विशेष तौर पर मौजूद भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मोहन लाल बड़ौली ने कहा कि आज अंतरराष्टीय महिला दिवस पर हवन यज्ञ का आयोजन कर विश्व शांति की कामना की गई। उन्होंने कहा कि 18 से 27 मार्च तक यज्ञ सम्राट हरिओम महाराज के सान्निध्य में सनातन धर्म की मर्यादाओं के अनुसार हवन यज्ञ चलेगा। कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजनों में बढ़ चढकर भाग लेना चाहिए।

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद की प्रेरणा से प्रभात फेरी का किया आयोजन

बार-बार प्रणाम बिहारी तेरे चरणों में... भजन पर झूमे श्रद्धालु

 14 मार्च को श्री कृष्ण कृपा गोशाला में मनाया जाएगा होली का त्योहार

हरिभूमि न्यूज≯े थानेसर

गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी की प्रेरणा से होली उत्सव के उपलक्ष्य में श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार द्वारा प्रभात फेरी का आयोजन 7बी मे वेद प्रकाश धवन के निवास स्थान पर किया गया। प्रभात फेरी में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। राधा और कृष्ण भाव के भजनों से पुरा वातावरण भक्तिमय हो गया। सुनील वत्स, पवन गुंब्बर, अजय आहुजा, जय भगवान ने राधा कृष्ण भाव के होली से संबंधित भजन गाकर सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। बिहारी तेरे चरणों में बार बार प्रणाम...के भजन पर श्रद्धालु ठाकुर जी की युगल जोड़ी के सामने जमकर नाचे। श्री कृष्ण



कुरुक्षेत्र। श्री कृष्ण कृपा जीओ गीता परिवार के पदाधिकारी व प्रभात फेरी के आयोजक वेद प्रकाश धवन परिवार को स्मृति चिहन भेंट करते हुए।

कपा जीओ गीता परिवार की ओर से मनिंद्र छिंदा, विजय ववेजा, राम किशन रल्हन, कलित नरूला ने प्रभात फेरी के आयोजक वेद प्रकाश धवन परिवार को स्मृति चिह्न भेंट की सम्मानित किया। सुनील वत्स ने जानकारी दी कि 14 मार्च को श्री कृष्ण कृपा गौशाला में गीता मनीषी स्वामी ज्ञानानंद जी के सानिध्य में होली का त्यौहार श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया जाएगा। फुलों की होली खेली जाएगी। इस अवसर पर प्रसिद्ध भजन गायिका अर्चना बावरी भजनो के माध्यम से सबको भावविभोर करेगी। नगर वासियों को निमंत्रण देने के लिए नगर में स्थान-स्थान पर प्रभात फेरियां आयोजित की जा रही हैं।

श्रीमद्भागवत महापुराण मनुष्यों के लिए कल्याणकारी : शास्त्री



कुरुक्षेत्र। आर.डब्लू.ए जिंदल ग्लोबल सिटी एवं श्रीगो गीता गायत्री सत्संग सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित सेक्टर-29 जिंदल सिटी क्लब में श्रीमद् भागवत कथा के प्रथम दिवस पर संस्था अध्यक्ष भागवत पवक्ता कथावाचक अनिल शास्त्री के द्वारा त्रिशक्ति धाम में प्रभू की भक्ति और मानव के उद्भार प्रसंग का उल्लेख किया। कथावांचक अनिल शास्त्री ने कहा एक समय की बात है, नैमिषारण्य तीर्थ में शौनकादिक 88 हजार ऋषियों ने पुराणवेता सूतजी से पूछा- हे सूतजी, इस कॅलियुग में वेद-

विद्यारहित मनुष्यों को प्रभु भवित किस प्रकार मिलेगी तथा उनका उद्भार कैसे होगा। सर्वशास्त्रज्ञाता श्री सूतजी ने कहा हे वैष्णवों में प्रज्य! आप सबने प्राणियों के हित की बात पूछी है। अब मैं उस श्रेष्ठ व्रत को आपसे कहूंगा, जिसे नारदजी के पूछने पर लेक्ष्मीनारायण भगवान ने उन्हें बताया था। एक समय देवर्षि नारदजी दूसरों के हित की इंच्छा से सभी लोकों में घूमते हुए मृत्युलोक में आ पहुंचे। यहां अनेक योनियों में जन्मे प्रायः सभी मनुष्यों को अपने कर्मों के अनुसार कई दूखों से पौड़ित देखकर उन्होंने विचार किया कि किस यत्न के करने से प्राणियों के दुखों का नाश होगा। ऐसा मन में विचार कर देवर्षि नारद विष्णुलोक गए। इस अवसर पर आचार्य रंगनाथ शास्त्री प्रधान मनमोहन छतवाल, रजनी छतवाल, डॉ. अश्विनी मित्तल, डॉ बलभद्र कौशिक, ललित चूटानी, बलराज शर्मा, कवर जीत सिंह अल्का, सिजा, अर्चना, मीनाक्षी निर्मला, रमेश एवं अन्य लोग उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

हत्या के प्रयास का आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला शहर में दर्ज जान से मारने का प्रयास करने के मामले में पुलिस ने आरोपी प्रदीप कुमार उर्फ लेफ्टी को गिरफ्तार किया है। अब आरोपी को पांच दिन के रिमांड पर लिया गया है। काजीवाडा के निखिल ने 13 जुलाई 2024 को शिकायत दर्ज करवाई थी कि घास मंडी के पास आरोपी अभिषेक उर्फ कालिया व अन्य ने हथियारों द्वारा उसे जान से मारने का प्रयास किया है। इस शिकायत पर पलिस ने मामला दर्ज

कबूतरबाजी का आरोपी जांच में शामिल

अंबाला। थाना सेक्टर-9 में दर्ज कबृतरबाजी के मामले में पुलिस ने आरोपी गौरव को शामिल जांच किया है। परिवादी हरजीत सिंह ने 31 जुलाई 2024 शिकायत दर्ज करवाई थी कि आरोपी गौरव व अन्य ने उसके पुत्र को विदेश भेजने के मामले में उससे एक बड़ी रकम हड़पने की धोखाधड़ी करने का आपराधिक कार्य किया है। इस शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज

नाट्स प्रस्तुति का किया आयोजन

अंबाला। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जीएमएन कॉलेज ऑफ नर्सिंग द्वारा गांव रौलों के आंगनबाडी केंद्र में 'महिला सशक्तिकरण/" विषय पर एक नाट्य प्रस्तृति का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य गांव के लोगों को महिलाओं के अधिकारों, उनके सशक्तिकरण और समाज में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना था। इस अवसर पर कॉलेज की सहायक प्रोफेसर ज्योति कमारी और सीमा रानी के नेतृत्व में बीएससी नर्सिंग के छात्रों ने भाग लिया। इन छात्रों ने गांव के लोगों के सामने एक नाट्य प्रस्तुति (स्किट) प्रस्तुत की।

निःशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया

अंबाला। पुलिस डीएवी पब्लिक स्कुल के प्रांगण में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शिक्षकों के लिए निशुल्क मेडिकल कैंप का आयोजन किया गया। इस कैंप में अध्यापकों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। इस अवसर पर कई प्रकार के टेस्ट टीएसएच परीक्षण, लिपिड प्रोफ़ाइल, लिवर फ़ंक्शन , किडनी , शुगर, एचबी ,आयरन का परीक्षण किया गया।

विधाओं की विस्तार से दी जानकारी

अंबाला। अंबाला छावनी के गवर्नमेंट पीजी कॉलेज में इंग्लिश डिपार्टमेंट की तरफ से चल रही 6 दिवसीय वर्कशॉप का आज समापन हो गया। इंग्लिश राइटिंग स्किल पर हुई इस वर्कशॉप के अंतिम दिन प्रो. डॉ सोनिका सेठी ने छात्रों को क्रिएटिव राइटिंग,स्टोरी टेलिंग व अन्य विधाओं के बारे में विस्तार से बताया।

हर क्षेत्र में महिलाएं निभा रही हैं अहम मुमिका

बराडा। डीएवी पब्लिक स्कल में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस बडे उत्साह और सम्मान के साथ मनाया गया। विद्यालय की प्राचार्या सुनीता कपूर के नेतृत्व में एक टीम गांव सिंबला पहुंची। यहां टीम ने विभिन्न क्षेत्रों में सशक्त महिलाओं से संवाद किया गया। कार्यक्रम में गांव की सरपंच नेहा के सहयोग से एक विशेष आयोजन किया गया।

भारतीय योग संस्थान की ओर से अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित किया कार्यक्रम

अंबाला-पंचकूला

समाज में महिलाओं को सशक्त बनाने का दिया संदेश

महिलाएं समाज की रीढ उनके योगदान के बगैर समृद्धि असंभव

हरिभूमि न्यूज 📦 नारायणगढ भारतीय योग संस्थान के तत्वाधान

में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन आहल्वालिया धर्मशाला में किया गया। इस विशेष अवसर पर संस्थान के जॉन प्रधान संजय धीमान ने सभी मातृशक्ति को शुभकामनाएं देते उनके अद्वितीय योगदान की सराहना की। उन्होंने नारी सशक्तिकरण पर जोर देते हए कहा कि महिलाएं समाज की रीढ हैं और उनके योगदान के बिना समृद्धि संभव नहीं। उन्होंने कहा कि महिलाओं के उत्थान एवं उनके सशक्तिकरण के लिए सरकार द्वारा भी कई प्रकार की योजनाएं शुरू की गई है। प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, मख्यमंत्री मातत्व सहायता योजना, किशोरी बालिकाओं को परस्कार योजना, सर्वश्रेष्ठ माता पुरस्कार योजना तथा महिला शिक्षा को बढावा देने के लिए प्रदेश में महिला महाविद्यालय खोले गये है और ऐसा ही एक राजकीय महिला महाविद्यालय बडागढ में खोला गया है।कार्यक्रम में अनेक वरिष्ठ के साथ महिला योग साधकों ने भी भाग लिया। साथ ही महिलाओं के



राज्य सरकार की हर योजना का महिलाओं को मिलेगा लाभ

<mark>अंबाला।</mark> अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में गांव कोट कछवा कलां के प्रयास से हेल्पर कमलजीत के सहयोग द्वारा सफल कार्यक्रम क आयोजन किया गया। इस दौरान मेंबर पंचायत भावना रजनी बलजिंदर भी विशेषतौर पर मौजुद रही। इससे पहले सभी का यहां पहुंचने पर जोरदार स्वागत हुआ। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी द्वारा महिलाओं के लिए चल रही योजनाओं के बारे में सरपंच दीपक नागपाल ने विस्तारपूर्वक अवगत करवाया। सभी महिलाओं को इन योजनाओं का ज्यादा से ज्यादा लाभ दिलवाने की शपथ भी मौके पर ली गई। इस मौके पर आशा वर्कर रीमा, आंगनबाड़ी वर्कर सुखदीप, सपना, रीना, पिंकी, मीनू, सुनीता, अंजू, रीता, नीलम,राज,आदि महिलाएं मौजूद रही।

सम्मान एवं उत्थान पर अपने विचार व्यक्त किए। संस्थान द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में महिलाओं के स्वास्थ्य, योग और आत्मनिर्भरता पर विशेष चर्चा की गई, जिससे समाज में महिलाओं की भूमिका को और भी सशक्त बनाने का संदेश दिया गया। भारतीय योग संस्थान ने इस आयोजन के माध्यम से नारी शक्ति को नमन किया और

उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। कार्यक्रम में मौजद महिला योग साधक एवं अध्यापिका रीटा, अध्यापिका मीनाक्षी वालिया, यवा कनिका अग्रवाल, गृहणी कविता, महिला पुलिस कर्मचारी अंजू सैनी एवं रेखा ने भारतीय योग संस्थान द्वारा अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर कार्यक्रम आयोजित करने



रुकावटों को दूर करने को जिम्मेदारी निभाएं

 समानता को तेजी से बढाना विषय पर कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज 🕪 बराड़ा

लार्ड कृष्णा कॉलेज ऑफ एजूकेशन में शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर समानता को तेजी से बढाना विषय पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित करके की गई।

कार्यक्रम का संचालन बी.एड द्वितीय वर्ष की छात्रा कोमल ने किया। कॉलेज की प्राध्यापिका पुजा रानी ने आए मेहमानों का स्वागत किया। इस अवसर पर प्रोफेसर सुषमा शर्मा ने ऑनलाइन माध्यम से

शामिल होकर मुख्य अतिथि की भिमका निभाई। कॉलेज की प्रिंसिपल डॉ. रेनू सोहता ने अपने संबोधन में 2025 के अंतरराष्ट्रीय शीर्षक समानता को तेजी से बढ़ाना पर अपने विचार सांझा किए। उन्होंने कहा कि महिलाओं को सशक्त बनाने, नीतिगत बदलाव लाने और रुकावटों को दूर करने के लिए सामहिक जिम्मेदारी निभाने की आवश्यकता है।

उन्होंने यूनाइटेड नेशन्स के आंकड़ों का हवाला देते बताया कि लैंगिक समानता प्राप्त करने में हम अभी भी 130 वर्ष पीछे हैं। इस अवसर पर गेस्ट ऑफ ऑनर के रूप में सांई एंजेल स्कल की प्रिंसिपल निवेदिता और अन्य शिक्षक मौजूद 🖠



महिलाओं के शिक्षित होने से होगी समाज की तरक्की

हरिभूमि न्यूज 🕪 नारायणगढ़

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर कविता पाठ एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन डॉ. अपूर्वा चावला एवं प्रोफेसर रेन् कमारी के कशल नेतत्व में किया गया।विद्यार्थियों ने संबंधित थीम पर आधारित एक से बढक़र एक आकर्षक पेंटिंग को प्रस्तुत किया। कार्यकारी प्राचार्य डॉ. देवेंद्र ढींगरा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हए कहा कि हर साल 8 मार्च को महिलाओं को सशक्त बनाने वाले इस दिन को विश्व स्तर पर मानते हैं। महिलाओं का जागरुक व शिक्षित होना बेहद जरुरी है। जब महिलाएं सुरक्षित, शिक्षित और जागरुक

 कविता पाट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन

होंगी तो समाज में तरक्की होगी। महिला प्रकोष्ठ की संयोजिका प्रोफेसर रेनु कुमारी ने मंच संचालन करते अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के महत्व को बताते कहा यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों को उजागर करने, मौजुदा चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और बदलाव के लिए समर्थन जुटाने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। संयोजिका डॉ. अपर्वा चावला ने कहा कि यह दिवस हमें महिलाओं द्वारा समाज में दिए गए योगदान, उनके संघर्ष तथा उनके सामने आने वाली चुनौतियों की

सुपरवाइजर सुजाता सक्कानित कृष्णा दीदी में झलकते थे परमात्मा के सारे गुण

 उत्कृष्ट कार्यों के लिए मुख्यमंत्री ने किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज 🕪 बराड़ा

महिला एवं बाल विकास विभाग साहा में कार्यरत सुपरवाइजर सजाता सरोहा को उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। उनको यह पुरस्कार महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से पंचकुला में आयोजित कार्यक्रम में दिया गया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के अलावा हरियाणा विधानसभा अध्यक्ष हरविंद्र कल्याण, महिला एवं बाल विकास विभाग की मंत्री श्रुति चौधरी, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव ने मुख्य रूप से शिरक्त की।

सुपरवाइजर सुजाता को यह



बराडा। अपने प्रशंसा पत्र के साथ सुपरवाइजर सुजाता।

सम्मान वर्ष 2024 - 2025 के दौरान प्रारंभिक बाल्यकाल शिक्षा और देखभाल प्रशिक्षण व सुपरविजन के दौरान किए गए उत्कृष्ट कार्य, समर्पण और अनुकरणीय योगदान के लिए दिया गया। सुपरवाइजर सुजाता सरोहा

के द्वारा वर्ष 2014 से 2017 तक शहजादपर, 2017 से 2020 तक खंड रायपुररानी और 2020 से अब तक साहा में उत्कृष्ट कार्य किया गया है जिसके चलते उन्हें मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के द्वारा सम्मानित किया गया।

परिवहन एवं उर्जा मंत्री अनिल विज बोले-कृष्णा दीदी से मिलकर मुझे भी उनके तेज में नहाने का मौका मिला

हरिभूमि न्यूज 🕪 अंबाला

उर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने कहा जो परमात्मा के गुण हैं वे राजयोगिनी कृष्णा दीदी में झलकते थे। उन्होंने कहा मुझे भी कृष्णा दीदी से मिलकर उनके गुणों की तेज में नहाने का मौका मिला है। मुझे ठंडी हवा का झोंका उनके सानिध्य में मिलता था। दीदी के चेहरे पर हमेशा खशी होती थी। उन्होंने कहा कि जिसने लोक परलोक का अर्थ जान लिया है ऐसी ख़ुशी उसी के चेहरे पर आ सकती है। मन को साधने वाली ऐसी महान हस्ती थी कृष्णा दीदी। दीदी जैसे जान के स्रोत को हम इस



अंबाला। कार्यक्रम में मंचासीन मंत्री अनिल विज व बीके बहनें।

पुण्यदिवस पर हम याद करते हैं। दीदी नारी शक्ति की मिसाल है। मैं अपने दिल की गहराइयों से उन्हें सलाम करता हं। उन्होंने अपनी सुरत से भगवान की मूर्त दिखाई। जिस प्रकार से चंद्रमा शांति की किरणें सारी धरती पर फ़ैलाता है, उसी प्रकार से यह सभी ब्रह्माकुमारी बहनें भी शांति की शक्ति सब पर फ़ैलाती हैं। विज

उन्होंने कहाकि सारी दुनिया को शांत बनाने के लिए यह बहनें जो प्रयास कर रहे हैं, उससे बहुत जल्द ही शांति का संसार आएगा। कहा जो मैं सबसे बडा दान समझता हुं वह है ज्ञान दान, जो ज्ञान दान यह बहनें कर रही है, सबके जीवन को मीठा बनाने के लिए। उन्होंने कहा मैंने माउंटआबू के

में बतौर मुख्यअतिथि बोल रहे थे।

फोटो : हरिभूमि

भी एहसास किया है। वहां की तरंगे ही सकारात्मक शक्तिशाली है। फरीदकोट से पधारी ब्रहमाकुमारीज पंजाब डायरेक्टर राजयोगिनी प्रेम दीदी ने शभ प्रेरणा देते कहा अपने प्रारंभिक दिनों में समाज तथा लौकिक परिवार से दीदी ने बहुत संघर्ष सहन किया। परमात्मा के प्रति दढ निश्चय से उन्होंने छोटी आय में ही परमात्मा की बताई हुई युक्तियों को अपनाते स्वयं को

शनिवार को यहां आयोजित कार्यक्रम तेज और वहां की शांति की तरंगों का विभिन्न योजनाओं का किया लोकार्पण 14331 केसों का किया निपटारा

पूर्व विधायक पवन सैनी ने बिचपड़ी

व कलाल माजरी में कई विकास योजनाओं का किया शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज 🛏 शहजादपुर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता

और पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी ने विधानसभा के गांव बिचपडी और कलाल माजरी में विभिन्न विकास कार्यों का उदघाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का लोकार्पण किया. जिससे ग्रामीणों को नई सुविधाएं उपलब्ध होंगी। उन्होंने इस मौके पर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस की सभी को शुभकामनाएं भी दी। गांव बिचपड़ी में डॉ. पवन सैनी ने नवनिर्मित राजकीय प्राथमिक पाठशाला के भवन का उद्घाटन



शहजादपुर। विकास कार्यों का उद्घाटन करते पूर्व विधायक डॉ. पवन सैनी।

किया। इस स्कूल के बनने से छोटे बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का लाभ मिलेगा और उन्हें उच्च शिक्षा की ओर प्रेरित किया जा सकेगा। इसके अतिरिक्त, गांव में नवनिर्मित शेड और गलियों का निर्माण कार्य भी पूरा किया गया। गांव की फिरनी से लेकर रघुबीर के घर तक इंटरलॉकिंग गली का निर्माण किया गया, जिससे ग्रामीणों को आवागमन

में सुविधा होगी। इसी प्रकार, गांव की एक अन्य गली से सुलमान के घर तक इंटरलॉकिंग गली का भी निर्माण कार्य संपन्न हुआ। गांव कलाल माजरी में भी कई विकास कार्यों का लोकार्पण किया गया। सैनी ने यहां जनरल चौपाल की चारदीवारी और टाइल्स टेरेसिंग के कार्य का उद्घाटन किया। चौपाल ग्रामीण समाज के लिए एक

आभार व्यक्त किया गांव कलाल माजरी में ही डॉ. पवन

सैनी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर भवन का भी लोकार्पण किया। यह भवन ग्रामीणों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान होगा, जहां वे सामाजिक कार्यक्रम और बैठकों का आयोजन कर सकेंगे। इस भवन के निर्माण से सामाजिक समरसता को बढावा मिलेगा और ग्रामीणों को सामुदायिक गतिविधियों के लिए उपयुक्त स्थान उपलब्ध होगा। गांवों में पहुंचने पर ग्रामीणों ने डॉ. पवन सैनी का भव्य स्वागत किया और उनके द्वारा कराए गए विकास कार्यों के लिए आभार व्यक्त किया।

महत्वपूर्ण स्थान होता है जहां सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियां संपन्न होती हैं। इस नए निर्माण से ग्रामीणों को सामृहिक आयोजनों के लिए बेहतर सुविधाएं मिलेंगी।

नारायणगढ़ व अंबाला में केसों की सुनवाई के लिए नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया

हरिभूमि न्यूज 🔰 अंबाला

नेशनल लोक अदालत का शनिवार को आयोजन किया गया। सेशन जज सुश्री कंचन माही की अध्यक्षता में नैशनल लोक अदालत का आयोजन जिला व नारायणगढ में किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम प्रवीण ने बताया कि लोक अदालत के मद्देनजर उपयुक्त इंतजाम किए गए थे। इस लोक अदालत में कुल सात बैंच लगाए गए थे जिसमें सभी प्रकार के केस जिसमें मुख्य तौर पर चेक, पारिवारिक वाद, आपराधिक मामले, वाहन मोटर अधिनियम,



अंबाला । नेशनल लोक अदालत के दौरान केसों की सुनवाई करते न्यायाधीश ।

चालान, फौजदारी, व दीवानी मुकदमें रखे गए। अदालत में कुल 14331 मकदमों का निपटारा हुआ। मोटर वाहन दुर्घटना के मुकदमों में रूपए 2,03,95,635/- की धनराशि का निपटारा हुआ। प्रवीण ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत में बैंक रिकवरी के 1070, अपराधिक

बुग्गी खींच कर चला रहे जींद के तोमर, कर चुका सत्रह जिले कवर

किस्म के 817, इलेक्ट्रिसिटी के 276, मोटर वाहन दुर्घटना के 50, वैवाहिक किस्म के 74 केसों का निपटारा किया गया। इसी तरह चेक बाउंस के 613 दीवानी किस्म के 442, रेवेन्यू किस्म के 3537 व अन्य किस्म के 7452 केसों का

काम बाधित होने से ग्रामीण परेशान

 एसडीएम को शिकायत,आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग

हरिभूमि न्यूज 🕪 बराड़ा

गांव तलहेड़ी रांगडान गांव के दर्जनों ग्रामीण एसंडीएम से मिलने पहुंचे। ग्रामीणों का आरोप था कि गांव में एएससी समाज के कार्यक्रमों के लिए बनाए जा रहे शैड के निर्माण में गांव के ही कुछ लोग रोड़ा अटका

रहे हैं। इसे बनने नहीं दे रहे हैं। ग्रामीण पूर्णचंद, मामचंद, अमरनाथ, जसमेर चंद, राजकुमार, संजीव कुमार, जसवंत सिंह, रामलाल, अमरीक सिंह, सौरभ, अमरपाल, माया राम, गोलू, विजय, रजत और



बराडा। एसडीएम कार्यालय में एसडीएम को मांगपत्र देने पहुंचे ग्रामीण।

प्रदीप ने एसडीएम को लिखित शिकायत दी जिसमें उन्होंने कहा कि उनके गांव में एससी समाज के कार्यक्रमों के लिए कोई पर्याप्त जगह नहीं है इसलिए ग्राम पंचायत की तरफ से गुरु रविदास मंदिर के पास शैड का निर्माण कराया जा रहा है। इस शैड के बनने से लोग अपने सुख-दुःख के कार्यक्रम कर सकेंगे

लेकिन गांव के ही कुछ लोग इसका विरोध कर रहे हैं। शैड निर्माण के कार्य में बाधा डाल रहे हैं। शिकायत देने आए ग्रामीणों ने कहा कि शरारती तत्व गांव का भाईचारा भी खराब करना चाहते हैं। उन्होंने बताया सरपंच द्वारा गांव में विकास कार्य करवाए जा रहे हैं लेकिन कुछ लोग इसमें बाधा डाल रहे हैं।

नशे के खिलाफ जागरूकता फैला रहे रविंद्र

 पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा चलाकर नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाने का संकल्प

 पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा चलाकर नशा मुक्ति अभियान को

हरिभूमि न्यूज 📦 अंबाला

नशा मुक्त हरियाणा अभियान को लेकर बुग्गी के साथ यात्रा का रहे रविंद्र तोमर देर शाम अंबाला शहर पहुंचे। वह एक बुग्गी को अपने

हाथों से खींचकर पूरे प्रदेश की यात्रा

पर निकले हैं। उनका मकसद प्रदेश



यमुनानगर। बुग्गी लेकर पहुंचा रविंद्र तोमर।

को नशा मुक्त बनाना है। बुग्गी पर पोस्टरों से लोग आकर्षित हो रहे हैं। बड़े-बड़े पोस्टर लगाकर चल रहे हैं। रविंद्र तोमर ने बताया कि इस समय

तोमर ने बताया कि वह जींद से 5 फरवरी को बग्गी के साथ पद्यात्रा शुरू की

थी। अब तक वह प्रदेश के 17 जिलों को कवर कर चुके हैं। उसने यह भी बताया कि पिछले वर्ष उनके चाचा के बेटे की नशा करने के कारण मौत हो गई थी। जिस वजह से पूरा परिवार टूट गया था। प्रदेश का कोई परिवार इस तरह न टूटे इसके लिए उन्होंने यह संकल्प लिया कि वह पूरे प्रदेश में संकल्प यात्रा चलाकर नशा मुक्ति अभियान को सफल बनाएंगे।

चाचा के बेटे की नशे के कारण मौत

प्रदेश नशे की बुरी तरह गिरफ्त में आ गया है। इसमें सबसे अधिक युवा फंस रहे हैं। युवा देश का भविष्य होता है यदि वह नशे की गिरफ्त में आ जाए तो देश का भविष्य खतरे में है। रविंद्र तोमर अपनी बुग्गी पर नशा छोड़ दूध पीने का नारा लेकर चल रहे हैं। उनका कहना है कि जितने रुपए नशे में लोग खर्च करते हैं उतने का अगर दुध पिए तो उनका शरीर तंदुरुस्त





रंग का, उमंग का और तरंग का पर्व है होली। इसमें मस्ती और उल्लास के ऐसे रंग घुले होते हैं, जो हर तनाव, मतभेद, मनभेद को ही नहीं जीवन की नीरसता को भी दूर कर देते हैं। नई जीवंतता और ऊर्जा का संचार करने वाली होली हमें अपने बचपन की याद दिला देती है, फिर से उन सुनहरे पलों को जीने के लिए प्रेरित करती है। आइए, हम सब भी इस रंगोत्सव में खुशियों के रंगों से सराबोर हो जाएं।

<u> २०(-उस्व(-त्ररव(</u>

<mark>पने देश भा</mark>रत में मनाए जाने वाले अन्य <mark>त्योहारों की तरह हो</mark>ली महज़ एक त्योहार नहीं <mark>है, यह 'रंगों</mark> का उत्सव' है। आज की इस भाग-दौड़ भरी और तनावग्रस्त जिंदगी में होली का उल्लास हमें अपनी संस्कृति से मिले अनमोल वरदान की तरह है। होली का यह उल्लास किसी थेरेपी से कम नहीं। इसलिए होली का पर्व सिर्फ रंग खेलने का दिन नहीं बल्कि तनाव और चिंता से मुक्त होकर, जीवन में रंग भर लेने का इंद्रधनुषी अवसर है। यह दिन उल्लास में सराबोर हो जाने

haribhoomi.com

भूल जाएं तनाव-परेशानियां

<mark>आज</mark> के दौर में लगभग हर व्यक्ति काम के बोझ से दबा नजर आता है। रोजमर्रा की परेशानियों और संघर्ष में पिस रहा है। सोशल मीडिया के लगातार बढते दखल से तनाव बढ़ रहा है।

परेशानियों को पूरी तरह से झिड़क देने का मौका हमें होली का दिन प्रदान करता है। हमें इस मौके को गंवाना नहीं चाहिए। होली हमें हर साल यह मौका देती है कि कम से कम साल में एक दिन तो हम ये सब भूलकर सिर्फ और सिर्फ 'वर्तमान क्षण' में जी लें। हर

इन सब तनावों, बोझों और

तरह के बोझ से हल्के हो लें। हंसी-मजाक करें, दोस्तों के साथ अपने बचपन के दिनों में लौट जाएं। जितनी मस्ती हो सकती है, मस्ती करें। सारे गिले-शिकवे दूर करें, परिवार के साथ समय बिताएं।

बतकही का मिलता है मौका

जीवन में रंग अनेक हैं

जीवन के रंग सरेज लो

आज तुम उदास मत रहो

उत्सव के रंग सहेज लो।

माना यह कठिन वक्त है

जीने की सजा सख्त है

सांसों की डोर है अभी

एक नई भोर है अभी

लो फिर से हाथ बढ़ाओ

अपना सूरज सहेज लो।

आज तुम उदास मत रहो

उत्सव के रंग सहेज लो।

घर-बाहर फाग मचा है

रंगों का रास रचा है

देता मौसम गवाहियां

मन में विश्वास बचा है

अनभीगे आज मत रहो

मंद-मंद हवा बह रही

तुम भी ऐसे बही सदा

जैसे मैं मस्त बह रही

कुछ भीगे पल सहेज लो,

मौसम का मन सहेज लो

वढ़ने दो फागुनी सुरुर

कुदरत के रंग सहेज लो

फागुन के रंग सहेज लो।

पर पते की बात कह रही

सुख के ये पल सहेज लो

खुशियों के रंग सहेज लो,

बतकही करने का मौका देती है। ऐसी बतकही का इसलिए भी बहुत महत्व है, क्योंकि हमारी आज को जिंदगी में संवाद बहुत कम हो गया है। हम सब व्यस्त हैं. रिश्तों में औपचारिकता बढ गई है। होली एक ऐसा अवसर है, जब हम बिना झिझक एक-दूसरे से जो मन में उमड़ घुमड़ रहा हो, उसे कहें और जो हमें कहा जा रहा हो, उसे बिना किसी पूर्वाग्रह के सुनें। इससे हमारे शिथिल पड़े रिश्ते फिर से जीवंत हो जाते हैं।

लौट आता है बचपन

होली की धमा-चौकड़ी हमें सुनहरे अतीत में ले जाती है। जब हम दुनिया की किसी भी फिक्र, किसी भी चिंता से मुक्त हुआ करते थे। सिर्फ खुशियां, खेल और मस्ती ही हमारे चारों तरफ फैली होती थीं। होली का रंग-बिरंगा, मस्ती से भरा अहसास हमें बचपन के उन सुहाने पलों में लौटा ले जाता है, जब हम बिना किसी परवाह के खुलकर खेलते थे। हर चीज में खुशी, हर स्थिति में सकारात्मकता ढूंढ़ लेते थे। तनाव, परेशानियां, चिंताएं स्वभाव का हिस्सा नहीं

हुआ करती थीं। क्यों न होली के दिन हम एक बार फिर वैसे ही तनावमुक्त होकर मस्ती में डूब जाएं। जिम्मेदारियों की जकडन को एक तरफ फेंक दें और रंगों की इंद्रधनुषी बारिश

> में बचपन की तरफ लौट जाएं। अपनों के संग खेलें, खाएं, पीएं, नाचें, गाएं, दोस्तों के साथ हंसी-ठट्टा करें। जो मन आए बातें करें और खुद को पूरी तरह से रिचार्ज कर लें। एक्सपर्ट कहते हैं

कि रंगों का यह त्योहार हमें शारीरिक और मानसिक रूप से हल्का कर देता है। हम बोझ मुक्त हो जाते हैं। इसलिए होली को नेचुरल स्ट्रेस बस्टर भी कहते हैं। होली की धमाचौकड़ी हमारे शरीर में खुशियों के हार्मीन बढ़ाती है। हमारे शरीर से एंडोर्फिन और डोपामाइन जैसे हार्मीन रिलीज होते हैं।

पिघल जाते हैं गिले-शिकवे

वैसे तो अपने देश के सभी पर्वों की यह खुबी है कि हम इनके

रंगों का बहुत सकारात्मक मनोविज्ञान होता है। रंग हमारी भावनाओं को बहुत गहरे तक छूते हैं। रंगों के अपने अर्थ, अपने प्रतीक, अपने अहसास होते हैं। गुलाबी रंग प्रेम का अहसास दिलाता है। हरा रंग हमें <mark>तन और मन</mark> से ऊर्जावान करता है। पीला रंग हमें खशियों से सराबोर कर देता है। नीला रंग हमें असीम शांति देता है। होली के मौके पर जब हम इन रंगों में सराबोर होते हैं<mark>, तो हमारा तन और मन खुशियों से छलक</mark>ने लगता है। हम परिपूर्णता के अहसास से भर जाते हैं। हमारे पोर-पोर से जीवन की संतुष्टि झरने लगती है। हम ज्यादा सकारात्मक हो जाते हैं।

होली पर रंगों से खेलना, एक-दूसरे को रंग लगाने के निहितार्थ बहुत गहन हैं। इसे समझ लें तो हमारा जीवन केवल मस्ती के रंग से ही नहीं प्रेम, ईमान, अध्यात्म और समावेशिता के रंगों से रंग जाएगा। जीवन को एक नई रंगीनियत मिलेगी, एक नई दृष्टि विकसित होगी।





कुमार राधारमण

ह दुनिया रंग-बिरंगी है। कितने ही रंग हमारे चारों ओर बिखरे पड़े हैं। तमाम तरह के रंग हैं, तभी दुनिया रहने लायक है। इन रंगों में ही जीवन की सुंदरता है। ये रंग सीख भी देते हैं, उम्मीदों का दीया भी बनते हैं। रंग अपनी भावनाओं को, खुशियों को प्रकट करने का माध्यम होते हैं। यह अवसर हमारे पास न होता, तो यह दुनिया बेरंग होती। जीवन के इन विविध रंगों में ही मनुष्य के विकास का इतिहास छिपा है।

मस्ती का रंग: प्रख्यात कवि आर.सी. प्रसाद सिंह ने कहा <mark>है, 'यह जीवन क्या है</mark>, निर्झर है/मस्ती ही इसका पानी है।' सच इसमें धूप-छांव संग-संग हैं, फर्क केवल मात्रा का है। सुख के क्षण में दुख का अनुपात कम होता है और दुख के क्षण में सुख का अनुपात कम। दोनों में से कुछ भी स्थायी नहीं है। इसलिए आप निर्विकार, निष्काम भाव से, <mark>सहजता से, मस्ती के साथ कर्म करते रहिए। मस्ती बड़ी-</mark> बड़ी परेशानियों का हल है। प्रकृति भी हंसते-मुस्कुराते चेहरे देखना चाहती है। मस्त आदमी जहां रहेगा, वहीं रंग

जमा देगा। अभी-अभी संपन्न महाकुंभ में आपने न जाने कितने रंग मस्ती के देखे होंगे। मस्ती एक आध्यात्मिक अवस्था है। मस्ती ही पैमाना है कि आप भीतर से सुखी हैं या नहीं। इसी मस्ती के क्षणिक अनुभव को पर्व के रूप में हम होली में महसूस करते हैं।

ईमान का रंग: यह सच है कि आज, हमने धन और पद को ही सफलता मान लिया है। जरूरतें थोडी सी हैं. लेकिन हर आदमी अधिक से अधिक धन समेट लेना चाहता है। बहुधा इसके लिए हम छल-कपट, बेईमानी का सहारा भी <mark>लेते हैं। ईमानदार</mark> होने का मतलब गरीब होना नहीं है। ईमानदारी से भी सुखपूर्वक जीना बिल्कल संभव है। बशर्ते हम सुख की परिभाषा ठीक से समझ लें। सिद्धांतहीन व्यक्ति गिरगिट की तरह रंग बदलता है। ध्यान रहे, प्रकृति में हमारे कर्म ही नहीं, विचार भी दर्ज होते हैं। इसलिए तमाम धर्मग्रंथ मन, वचन, कर्म तीनों की शचिता पर बल देते हैं। और, जब आप सफल हों, तब भी रंग न बदलें, सिर पर सफलता का रंग न चढ़ने दें। रंगा सियार होना अच्छी बात नहीं। बन सकें, तो किसी के जीवन का रंग बनें।

अनुभव का रंगः हर अनुभव स्वयं हासिल करने के लिए यह जीवन छोटा है। इसलिए, दूसरों के अनुभव से यदि आप सीखने की प्रवृत्ति रखे तो तेजी से आगे बढ़ पाएंगे। आपा-धापी भरी इस जिंदगी में कुछ पल बुजुर्गों के साथ, अपने से अधिक अनुभवी लोगों के साथ बिताना अच्छा है। जरूरी नहीं कि उनके पास हमारे मौजूदा रोजगार के मामले में कोई ढंग का सुझाव हो, लेकिन उनके पास हमारे समग्र जीवन के लिए निश्चय ही बहुत कुछ होता है। हमारी नौकरी भी हमारे जीवन का ही हिस्सा है। बढ़ती उम्र के साथ शारीरिक क्षमता तो घटती है, लेकिन व्यक्ति का

अनुभव बढ़ता जाता है। उनके बताए गुर से हमारा समय बचता है, हमारा रंग तेजी से निखरता है और यह हमें अपने समकक्ष से आगे रखने में मददगार बन सकता है।

समावेशिता का रंग: यह दुनिया केवल <mark>हमारे लिए</mark> नहीं है। इसमें सबके लिए जगह है। दुनिया हमसे पहले भी थी, हमारे बाद भी होगी। यहां हम किसी निश्चित भूमिका मात्र के लिए हैं और आज हमारा जो संसार है, एक समय के बाद वह छूट ही जाना है। <mark>जो इसे</mark> समझ ले<mark>ता है, उसके रंग</mark> में कभी भंग नहीं पडता। उसके मन में हर प्राणी के प्रति करुणा का भाव होता है और वह उसे उसकी मौलिकता में ही स्वीकार कर लेता है। दसरों के प्रति स्वीकार भाव से सामने वाला भी बेहतर बनने का प्रयास करता है। दसरों पर हावी होने की प्रवृत्ति छोड़ने से अपनी श्रेष्ठता का दंभ भी मिटता जाता है। जिसका दंभ मिट गया हो, वही होली खेल सकता है। होली के गीतों का सामहिक गान समावेशिता की भावना को ही दर्शाता है।

प्रेम के रंग: होली के गीतों में राधा-कृष्ण के प्रेम की चर्चा आम है। रंग ऊर्जा है और प्रेम जीवन का सार है, जीवन का उत्कर्ष है। इसके बगैर हमारी सारी उपलब्धियां बेरंग हैं। प्रेम का रंग ही सबसे महत्वपूर्ण है और सभी धर्मग्रंथों का सार भी। जो सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, उसी के लिए खुद

> दयालु, परोपकारी, मैत्रीपूर्ण और जागरूक बनें। व्यर्थ के विवादों से बचें ताकि उत्सवधर्मिता, गर्मजोशी, उत्साह और रोमांच के लिए स्थान उपलब्ध हो सके। कामुकता, ईर्ष्या और हठ का स्थान शांति, पवित्रता,

को तैयार करें। चैतन्य,

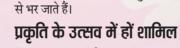
भावकता, आशावादिता, क्षमाभाव और स्वतंत्रता को लेने दें। प्रेम, विवेक, सद्भाव, सहानुभूति, समभाव, साहस, स्पष्टता और मानसिक शक्ति को विकसित होने दें।

अध्यात्म के रंगः रंग स्फूर्ति का प्रतीक है। होली ऊर्जा प्रकटीकरण का पर्व है। इससे अधिक स्फूर्ति किसी अन्य त्योहार में नहीं दिखती। इसलिए, कृष्ण भी होली खेलते हैं। होली में उल्लास है, उत्सवधर्मिता है। होली में प्रेम और विरह के रंग एकसाथ समाहित हैं। होली तो त्योहार ही रंगों का है। यह नएपन का त्योहार है। होली की स्मृति से ही हम उमंग से भर जाते हैं, हमारे चेहरे पर मुस्कान-सी खिल जाती है। हताशा और कुंठा की होलिका जल जाने दें। होली युवा होने का बोध है और इस बात का प्रतीक भी कि जीवन हंसते-खेलते बीतना चाहिए। यह रहस्य बडे से बडे रहस्यों से भी बड़ा है। जो इसे जानता है, वास्तविक अर्थों में वही जागरूक है, वही आत्मज्ञानी है। होली में गाया जाने वाला जीगरा शब्द योगी से बना है। बनारस में इसे कबीरा भी कहते हैं। दिल्ली विश्वविद्यालय में प्रोफेसर अरुंधति मिश्रा स्पष्ट करती हैं, 'जोगिरा में प्रेमिका ईश्वर है और प्रेमी साधारण मनुष्य। मनुष्य ईश्वर को पाना चाहता है और होली उसका माध्यम है।'

तो होली को केवल बाहरी रंगों से ही नहीं आत्मबोध और आत्मपरिवर्तन के रंगों से भी खेलें, तभी इस पर्व की सार्थकता है। *

रंगबाज दोहे

सूर्यकुमार पांडेय



होली एक तरफ मनोवैज्ञानिक तो दूसरी तरफ बेहद कुदरती या कहें प्राकृतिक पर्व भी है। यह पर्व हमें प्रकृति के साथ गहरे तक घुलने, मिलने और गहरी आत्मीयतापूर्ण सामंजस्य बनाने की सीख देता है। वास्तव में होली का संबंध प्रकृति के श्रंगार, बसंत से है। होली तब आती है, जब प्रकृति अपनी नई ऊर्जा और नए उत्साह से भरी होती है। हर तरफ बसंत के फूल खिले होते हैं। हवा में खुशबुएं मचल रही होती हैं। प्रकृति

बहाने दूसरों से अपने गिले-शिकवे दूर कर सकते हैं। लेकिन

बाकी सभी त्योहारों में फिर भी कोई झिझक रह सकती है.

लेकिन होली तो ऐसा पर्व ही है, जो सालों के मतभेद, मनभेद

और चुप्पियों को तोड़ गले मिलने, साथ खिलखिलाने के

लिए प्रेरित कर देता है। होली सालों पुरानी खटास को झटके

में दूर कर देता है। होली के समूचे माहौल में एक बेफिक्री, एक

मजिंकया अहसास, जिंदगी को सरल तरीके से जीने की सीख

और अभिमान को दूर कर हमारी झिझक को भी पूरी तरह से

मिटा देती है। होली का पर्व गलतफहमियों को मिटा देने का

पर्व है। जब हम रंगों से खेलते हैं, रंगों में डूबते हैं तो हमारे मन

की तमाम कठोरताएं स्वतः ही मिट जाती हैं, पिघल जाती हैं।

तन और मन का रेशा-रेशा इंद्रधनुषी हो जाता है। रिश्ते मिठास

की यह खुशी हमें भी अपने रंग में रंग लेती है। हम नाराज या दुखी रह ही नहीं सकते। एक तरह से होली प्रकृति में होने वाली रंगों की बारिश है और हम इस बारिश में नहाकर खुशियों और उम्मीदों से जगमगा उठते हैं।

इसलिए होली हमारी कायाकल्प का पर्व है। आइए, इस पर्व में डूबकर हम खुद को ही नहीं अपनों-परायों सबको खुशियों और उम्मीदों के रंग से रंग दें। 🗱

तन और मन की गांठों को खोलने या इन्हें पिघलाने का एक जरिया संवाद होता है। बिना सजग हुए, चुहल-मस्ती के अंदाज में किया गया संवाद। होली अपनों के बीच ऐसे ही

डॉ. ओम निश्चल

रग सहंज लॉ!









लघुकथा यशोधरा भटनागर

लाश अपने पूरे शबाब पर है। रंगों का सुरूर चारों ओर छाया हुआ है। मानो प्रकृति भी रंगोत्सव की मस्ती में डूबी हुई है। पर एक कोना रंगों की रंगीनियत से शायद पूरी तरह अछुता, जहां अंदर-बाहर सिर्फ अंधकार ही अंधकार, रंगों से दूर।

मैंने उद्वेलित हृदय में उमड़ती-घुमड़ती भावनाओं के साथ दृष्टिहीन कन्याओं के छात्रावास में कदम रखा।

आश्चर्य संग एक सुखद अनुभूति! रंगों से सजा खिलखिलाहटों से गुंजित छात्रावास का प्रांगण! एक-दूसरे को रंग-गुलाल लगाकर होली के रंग में रंगी छात्राएं!

'मैडम जी, आप रंग से बच न

शायद वो मेरे आने की आहट पा गई थीं। जैसे ही मैं उनके समीप पहुंची, उन्होंने मुझे घेर लिया।

'होली है ..! होली है ...!'

और नरम-गलाबी हाथों ने वातावरण को गुलाबी-गुलाबी कर दिया। मैं रंगों से सराबोर थी। पर अंतःसिंधु में ऊंची-ऊंची हिलोरें लेते प्रश्न फिर सिर उठाने लगे, जिनकी पूरी दुनिया ही ब्लैक है वो बच्चियां!

'बेटा! आप लोग तो होली के रंगों में रंग गईं... आपको रंग...

रुकते-चलते, कुछ गले में फंसते शब्दों में मेरी बात पूरी भी न हो पाई कि चुलबुली-सी दिखने वाली बारह-तेरह बरस की बच्ची का कोयल से मधुर स्वर मेरे हृदय के भीतर प्रविष्ट हो गया, 'मैडम जी हमने रंगों को देखा तो नहीं किंतु रंगों को छुआ है! और रंगों ने हमको!!'

चारों ओर झरती खुशी की फुहारों की रिमझिम में मन भीग गया।

'रंग बरसे भीगे चुनर वाली रंग बरसे...' गीत पर नाचती रंगों से रंगी उन बिच्चयों के साथ नाचते-झुमते हुए मैं भी रंगों की उस छुअन को अनुभव कर रही थी। 🗱



क्या सावन, क्या चैत अब, फागून बारह मास। छोरा-छोरी चैट पर, करें प्रणय-अभ्यास।। मिलन, गेंट पर अब कहां, समय बना दीवार।

मेल और फीमेल पर, भारी है ई-मेल।।

इंटरनेट पर मन रहा, होली का त्योहार।। केलि हेतु अब कल कहां, सकल वर्जना फेल।

रंग पुते जब गाल पर, दर्पण गया लजाय। गोरी सेल्फी ले रही, देखे और मुसकाय।। सरिव ब्यूटी पार्लर गई, दौड़ा नया करंट। जितना तन पर डेंट था, उससे ज्यादा पेंट।।

इता-सा वैक्यूम है, बिता भर कंज्यूम। छः क्यूबिक वॉल्यूम पर, सात किलो परपयुम।।

शेयर गिरा सेंसेक्स संग, कीमत गिरे न संग। और चटरव अब हो रहा, महंगाई का रंग।।

कनक छरी-सी कामिनी, वेट गेन से यस्त। फास्ट फुड खाकर हुई, तन्वंगी किट ध्वस्त।। तब के. अब के ब्याह का, ऐसा बदला टेस्ट।

तब के मौलिक पोस्ट थे, अब वाले कर पेस्ट।। वर की लर्निंग फेलियर, मगर खंडा मेंह बाय।

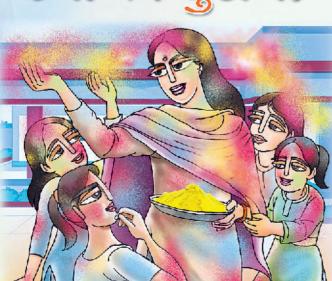
घर भर्निंग चिहेए बहु, अर्निंग कर लइ आय।। बस्ती में कश्ती चली, हंसती-फंसती रोड। मस्ती अब अपलोड है, पस्ती डाउनलोड।।

नेता वोटर से कहे, मुझको देना वोट। वोटर गण करने लगे, नेता तुझमें खोट।। नेता तुझमें खोट, नहीं हम तुझे चुनेंगे। वोट भले ही किसी 'काला चोर' को देंगे।। कर 'मनमौजी' राथ जोड़ नेता फरमाया। यही बताने सुनो यहां पर मैं हूं आया।।

उमाशंकर दूबे 'मनमौजी'

मंत्री था तब ऐंठ ली, धन-संपत्ति अपार। कालाधन स्विस-बैंक में, चोरी से हर बार।। चोरी से हर बार, रखा मैं उसी छोर हूं। कालाधन चोरी से रखा 'काला चोर' हूं।। कह 'मनमौजी' हे वोटरगण यह सुन लेना। मैं हूं 'काला चोर' वोट मुझको ही देना।।





निमाड़, झाबुआ, अलीराजपुर अंचल में होली

पर भगोरिया भोंगर्या उत्सव में खरीदारी के

लिए हाट बाजार लगता है। आदिवासी पूजन

के लिए सामग्री की खरीदारी करते हैं।

भगोरिया पर्व उनके आपस में मिलने-जुलने

और सामूहिक नृत्य-संगीत से खुशियां मनाने

का अवसर होता है। इस अवसर पर युवक-

युवतियां सजते-संवरते हैं, नाचते-गाते हैं।

भगोरिया पर्व की शुरुआत झाबुआ के भगोर

गांव से मानी जाती है। इस पर्व पर भील

आदिवासी क्षेत्रों में युवा पुरुष वाद्य यंत्र

बजाकर नाचते हैं। ढोल, मांदल, शहनाई की

गूंज के साथ युवक-युवतियों के साथ बच्चे-

बूढ़े भी बेहद उत्साह से शमिल होते हैं। इस

मौके पर हरा बांस जंगल से उखाड कर

होलिका दहन के स्थान पर रोप दिया जाता है।

पुर्णिमा तक उसे पानी से सींचा जाता है। इस बांस को डांड कहा जाता है। होली के दिन

इसका दहन हो जाता है। गुजरात में भील समुदाय द्वारा किया जाने वाले गोल गधेड़ो

लोकनृत्य में एक गोले में गुड़ और नारियल

बांध दिया जाता है। चारों ओर युवक घेरा

बनाकर नाचते हैं। युवक गुड़ नारियल पाने की

कोशिश करता है। अगर इसमें कामयाब हो

जाता है तो मनपसंद लडकी के चेहरे पर

गुलाल फेंकता है। अगर लड़की भी उसकी

ओर गुलाल फेंकती है तो दोनों का रिश्ता

गुजराती आदिवासी होली: गुजरात में

नायका, कुंकड़ा, वारली जनजाति समुदाय में

फाल्गुन शुक्ल प्रतिपदा से होली की तैयारियां

शुरू हो जाती हैं। तारपुं, पावी, ढोल, मंजीरे की

धुन के साथ होली गीत गाए जाते हैं। इसके

साथ कमर पकड़कर युचा स्त्री-पुरुष गोलाकार

नत्य करते हैं। कष्ण पक्ष की पंचमी तक होली

पूरे जोश और मस्ती के साथ होली जैसा वाहा

पर्व मनाते हैं। वाहा प्रकृति से जुड़ा एक पर्व है।

इसमें वे देवी-देवताओं की धूप, दीप और

सिंदूर से पूजा कर घास, हंडिया महुए से पूजा

करते हैं। प्रसाद के रूप में खिचड़ी पकाकर

बांटी जाती है। एक-दूसरे पर पानी उछालकर

संथाल आदिवासी वसंत ऋतु के अंत में

का यह पर्व मनाया जाता है।

पक्का हो जाता है।

होली पारंपरिक और सांस्कृतिक पर्व तो है ही। लेकिन आमतौर पर शहरों और गांवों में मनाए जाने वाले रंग पर्व से अलग आदिवासियों की होली में लोक-संस्कृति की अलग ही छटा दिखती है। ऋतु परिवर्तन के स्वागत के उल्लास के साथ ही उनके इस पर्व से कई परंपराएं भी <mark>जुड़ी हैं।</mark> इन <mark>बहुरं</mark>गी परंवराओं पर एक नजर



बहरंगी संस्कृति सुधा रानी तैलंग

तरंगी रंगों का लोक पर्व होली एक बार फिर से हम सबके लिए रंगों की फुहार और खशियों की बौछार लेकर आ रहा है। अबीर गुलाल के रंग, फाग और धमार गीतों की धुन के संग प्रकृति भी उल्लास से भर उठती है। खेत-खलिहानों में बालियां इठलाने लगती हैं। रंगों का पर्व होली, ऐसे वक्त पर

मौसम करवट ले रहा होता है। ऐसे में होली के आते ही परा आसमान रंग-अबीर के उड़ने से रंगीन हो जाता है। फाग के मौसम में अबीर और गुलाल के रंग, कलर थेरेपी का काम करते हैं। वहीं होलिका दहन पर गोबर के कंडे का धुआं और अग्नि. आस-पास के

कीटाणुओं और नकारात्मक ऊर्जा को खत्म कर देती है। रंगों के इस अनोखे त्योहार और प्रकृति के नवीन परिवर्तन का स्वागत आदिवासी समाज अनुठे अंदाज में करता है। अलग-अलग क्षेत्रों के आदिवासी अलग तरीके से होली का त्योहार मनाते हैं।

झारखंड का सरहुलः बसंत ऋतु का स्वागत करने चैत्र शुक्ल तृतीया को झारखंड में मुंडा, उरांव, संथाल आदिवासियों में एक रोचक त्योहार मनाया जाता है-सरहुल। इसे फूलों का पर्व भी कहा जाता है। इसमें प्रकृति के बदलाव के स्वागत के लिए अपनी खुशियों की अभिव्यक्ति आपस में गले मिलकर, गीत-संगीत के द्वारा पूरे जोश से करते हैं। युवा स्त्री-पुरुष की टोलियां मिलकर-झूमती और नाचती-गाती हैं। यह पर्व प्रकृति के रंगों का अभिनंदन करके फसल काटने से पूर्व मनाया

मध्य प्रदेश की आदिवासी होली: मध्य प्रदेश के बडवानी अंचल में होली पर वहां के आदिवासी लोकगीत गाते हैं। इन लोकगीतों के आदिवासियों की होली



मधुर सुर, समूचे वातावरण को खुशनुमा बना

हुवी दीवावी दूये बयोने भरे सीयावे आवी दीवावी बाय भर उनावे आवी हवी बाय।

अर्थात होली और दीवाली दोनों बहने हैं। दीवाली सर्दी के मौसम में आती है और होली



में रहने वाले भील आदिवासियों की होली मनाने की परंपरा बेहद अनुठी है। होली में भील

छोड़ती हैं।

आदिवासी समाज में होली की सदियों पुरानी विभिन्न परंपराओं का अपना ही सौंदर्य है। उसी तरह इतिहास के पन्नों को टटोलें तो मालूम होगा कि आजादी से पहले राजस्थान में राजपूताना होली के रंग भी बहुत बेमिसाल

मराणा की होलीः आपने नीमराणा फोर्ट का नाम तो जरूर सुना होगा। यहां 200 साल पहले राजा-महाराजा अनूठी होली खेलते थे। ढोल. नगाडों और ढप की थाप पर प्रजाजन खूब नाचते-गाते थे। चौहान वंश की नीमराणा रियासत में होली के पर्व पर त्योहार की शरुआत एक पखवाड़े पहले ही हो जाती थी। यहां धार्मिक सौहार्ढ से सब मिलकर

साली जी के देखिए, हुए गुलाबी गाल।

हुए गुलाबी गाल, चाल में लटके-झटके।

अंग-अंग में रंग, देख रुम उनमें अटके।

<mark>दिंयों पुराना इतिहास: नीमराणा स्टेट की होली का इतिहास करीब 600 साल</mark> से पुराना बताया जाता है। होली, महल से शुरू होती थी और विधि-विधान के साथ मंत्रों के उच्चारण किए जाते थे और होलिका दहन किया जाता था। इसी की आग से पूरे स्टेट में दूसरे स्थानों <mark>की होली की मंगला (जला) क</mark>रती थी। फिर होता था रंगोत्सवः सामृहिक होली में महाराजा सबसे पहले राज परिवार के लोगों के साथ, उसके बाढ़ रियासत के जागीरदारों, सामंतों, सरदारे

महिलाएं नृत्य करती हैं और नाचती हुई आने-जाने वालों का रास्ता रोकती हैं। राहगीरों से नारियल, गुड़ या रुपए लिए बगैर उन्हें आगे नहीं जाने देती हैं। होली दहन के बाद रंग-बिरंगे कपड़ों में हाथों में छड़ी लेकर पुरुष एक विशेष नृत्य गेर करते हैं। ढोल, मंजीरे, छड़ियों और थाली की मधुर आवाज के साथ पैरों के घुंघरुओं की लय से समूचा वातावरण संगीतमय हो जाता है। एक खास बात यह है कि गेर नृत्य में महिलाएं भाग नहीं लेती हैं। होली के तीसरे दिन नेजा नामक नृत्य बेहद अनोखे और कलात्मक तरीके से किया जाता है। एक खंभे पर नारियल-सजाया जाता है। भील स्त्रियां उसके चारों तरफ हाथों में बटदार कोड़े और छड़ियां लेकर नृत्य करती हैं। जैसे ही पुरुष नाचते-गाते उस नारियल को लेने की कोशिश करते हैं. उन्हें छड़ी और कोड़ों से मारा जाता है। शगुन के तौर पर पैसे और गुड़

आदि लेने के बाद ही महिलाएं उन पुरुषों को

अनुही होती थी

भगोरिया की उमंगः मध्य प्रदेश के पश्चिमी

सभी लोग आपस में गले मिलते हैं। * के साथ होली खेलते थे। इसके बाद ढोल-नगाड़ों के प्रजा के साथ होली खेलते थे। नीमराणा स्टेट में ब्रजवाडों की होली धुलंदी के दिन महल में बने विशाल कुंड में टेसू के फूलों से युक्त पानी भरा जाता था। फिर खूब होली खेलते थे। इस अवसर पर ठंडाई और भांग का भी खूब सेवन किया जाता था। इस अवसर पर राजा,

खशबदार पानी को भैंसा गाड़ी में रखवा कर प्रजा <mark>संंग होली खेलते हुए</mark> विजय बाग जाते थे। सुगं<mark>धित</mark> पानी की बौछार से क्षेत्र की आबोहवा भी खुशबूदार और रंगी<mark>न हो</mark> जाती थी। सामूहिक जुलूस में <mark>सभी</mark> बिराढरी के लोग शामिल होतें थे। विजय बाग में चंग की थाप पर होली के गीतों पर थिरकते हुए लठमार होली भी खेलते थे।

लोकगीतों-नृत्य की मस्तीः होली महोत्सव के दौरान महल में लोक कलाकारों द्वारा लोकगीतों पर नृत्य का कार्यक्रम आयोजित होता था। जिसमें तेरहताली नृत्य, चकरी नृत्य, शाहरियां नृत्य, घोड़ी नृत्य, चंग नृत्य, भपंग वादन नृत्य होते थे। महिलाएं भी अपने घरों में गीत (फाल्गुन की लहरियां) गाती थीं, वहीं चौपालों पर भी ढप और चंग की थाप गूंजती थी

प्रस्तुतिः शिखर चंद जैन

होली पर हानिकारक रासायनिक रंग-गुलाल शरीर के लिए नकसान दायक होते हैं। ऐसे में राजस्थान के जयपुर में खासतौर से मिलने वाला पारंपरिक गुलाल गोटा इन रासायनिक रंगो का ईको-फ्रेंडली विकल्प है। इस बारे में आप जरूर जानाना चाहेंगे



गों का त्योहार होली करीब आते ही चारों ओर रंग, गुलाल, पिचकारी आदि की चर्चा शुरू हो जाती है। आजकल बाजार में मौजूद अधिकतर रंग और गुलाल केमिकलयुक्त होते हैं, जो हमारी त्वचा को बहुत नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे में बात

आती है राजस्थान के जयपुर में प्राकृतिक रंगों से खेली

जाने वाली होली की, जो गलाल गोटा से खेली जाती

गुलाल गोटा दरअसल, लाख के बने गोले

होते हैं, जो ईको-फ्रेंडली अरारोट के रंग से

भरे होते हैं। गुलाल गोटे से खासतौर से

राजस्थान के जयपुर में होली खेली जाती है।

गोलाकार शेप में मिलने वाले गुलाल गोटे

जयपुर के कुछ मुस्लिम कारीगर इसे पीढ़ी-

दर-पीढ़ी बनाते चले आ रहे हैं। होली पर्व के

आने से करीब 2 महीने पहले से इन्हें बनाना शुरू कर

दिया जाता है। गुलाल गोटा बनाने वाले कारीगर सबसे

पहले लाख को गर्म करके पिघलाते हैं। इसके बाद एक

छोटी फ़ुंकनी से इसे फुलाया जाता है। फुलाते समय ही

इसे गोल-गोल आकार दिया जाता है। अंदर से खोखले

और गोल आकार के इस सांचे को एक पानी से भरे हुए

बर्तन में डालते जाते हैं और ठंडा होने पर निकाल कर

लाख की पतली परत से बनाए जाते हैं।

है और ईको-फ्रेंडली होती है।

क्या है गुलाल गोटा

बनाने का तरीका

आधा ही गुलाल भरा जाता है ताकि उसमें थोड़ी हवा भी रहे। ज्यादातर जिस रंग का गुलाल गोटा होता है, उसी रंग का खुशबुदार प्राकृतिक गुलाल उसमें भर दिया जाता है और उसके मुंह को टेप इत्यादि से बंद कर दिया जाता है। इस तरह गुलाल गोटा तैयार होता है। अलग-अलग रंगों के ढेर सारे गुलाल गोटे तैयार करके सावधानी से रख लिए जाते हैं और फिर होली के दिन एक-दूसरे फेंक कर होली खेली जाती है।

🌌 होता है ईको-फ्रेंडली

गुलाल गोटे में भरा जाने वाला गुलाल प्राकृतिक चीजों से बनाया जाता है, इसलिए यह ईको-फ्रेंडली होता है। इनसे किसी को कोई नुकसान नहीं होता है। सबसे मजेदार बात यह कि इनको एक-दूसरे पर मारने से यह तुरंत फूट जाता है और व्यक्ति रंग से सराबोर हो जाता है। साथ ही, उसकी सुगंध से महक भी जाता है, लेकिन उसे चोट बिल्कुल भी नहीं लगती है।

सदियों से जारी है परंपरा

कहा जाता है कि राजस्थान में गुलाल-गोटे से होली



राजा-महाराजा इन गुलाल गोटों से ही होली खेलते थे. जो बिल्कल भी नुकसानदायक नहीं है। गुलाल गोटे से होली खेलने की रियासतकालीन परंपरा जयपुर में

आज भी कायम है। आमतौर पर लोग इसके बारे में कम ही जानते हैं लेकिन पूर्व शाही परिवार के लोग आज भी इससे होली खेलना पसंद करते हैं। तो क्यों न इस बार आप भी केमिकलयुक्त रंगों को छोड़कर, प्राकृतिक रख लिया जाता है। पानी से निकाल कर उसके अंदर रूप से तैयार गुलाल गोटों से होली खेलें! *

रंगीली कुंडलियां

श्याम संदर श्रीवास्तव 'कोमल

गलाबी गा होली में सच मानिए, बुरे हुए हैं हाल

होली में कुछ-कुछ हुआ, चढ़ा प्रेम का रंग मन में रुलचल सी उठी, दिल की उड़ी पतंग दिल की उड़ी पतंग, झूम कर वह लहराए। इलू-इलू का राग, आज मस्ती में गाए। कह 'कोमल' कविराय, नैन मटका कर बोली। जीजा जी अब पास आइए, आई होली।



सी भी दौर की जीवनशैली पर उस दौर की तकनीक का बहुत गहरा प्रभाव होता है। यह दौर वर्चुअल या डिजिटल तकनीक का है, इसलिए हर गतिविधि में डिजिटल तकनीक का बोलबाला दिखना स्वाभाविक है। यही वजह है कि आज के युवा कुछ दशक पहले के युवाओं की तरह होली के मौके पर सिर्फ होली के रंगों और मस्ती में नहीं डूबते बल्कि आज की जीवनशैली का हिस्सा बन चुकी वर्चुअल तकनीक के चलते इसे सोशल मीडिया ट्रेंड्स, इवेंट्स और ब्रांड प्रमोशन का हिस्सा बना देते हैं। अब होली ग्राउंड पर ही नहीं बल्कि ऑनलाइन प्लेटफॉर्म्स पर भी

सोशल मीडिया पर होली टेंडस

इंस्टाग्राम, फेसबुक, स्नैप चैट जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर होली से जुड़े फिल्टर, रील्स और हैश टैग्स, स्टिकर्स आदि इस साल वसंत पंचमी के बाद से ही दिखाई देने लगे हैं। इंस्टाग्राम पर होली रील्स, कलर ब्लास्ट जैसे हैश टैग्स का टेंड चल रहा है। व्हाटसएप पर भी होली के रंग-बिरंगे मैसेज, स्टेटस और जीआईएफ का बोलबाला है। इंस्टाग्राम और फेसबुक ने अपने युजर्स के लिए इस साल होली के अवसर पर



मेटावर्स, <mark>एआई जैसे</mark> डिजिटल तकनीक के दौर में इस साल होली अलग ही अनुभव दर्ज करा रही है। आज की डिजिटल तकनीक पूरी तरह से होली को वर्चुअल ही नहीं बना रही, बल्कि इनकी वजह से पारंपरिक रूप से खेली जाने वाली होली में भी



इस वर्ष गेमिंग प्लेटफॉर्म्स और मेटावर्स में होली के कुछ वर्चुअल इवेंट्स खासतौर पर पूरी दुनिया का ध्यान खींचेंगे, जो एक अनोखा और रंगीन अनुभव होगा। पॉपुलर बैटल रॉयल नेम फ्री फायर

ने 'होली 2025 माई जोन' नामक एक इवेंट पेश किया है, इसमें खिलाड़ी विशेष मिशंस को पूरा करके गेम रिवॉर्ड्स और एक्सक्लुसिव आइटम्स पा सकते हैं। मेटावर्स प्लेटफॉर्म पर भी होली के वर्चुअल इवेंट्स आयोजित किए जा रहे हैं। जहां उपयोगकर्ता अपने अवतारों के माध्यम से रंगों की होली खेल सकते हैं। यही नहीं, वे वर्चुअल म्यूजिक कंसर्ट में भी शामिल हो सकते हैं।





.डीजटल हॉली कई तरह के बदलाव देखे जा रहे हैं। कछ दशक पहले तक जहां होली में किसी भी



विशेष फिल्टर्स और स्टिकर्स लांच किए हैं, युवा डिजिटल होली के साथ-साथ वास्तविक जिससे उपयोगकर्ता अपनी तस्वीरों और जिंदगी में भी होली को साफ-सुथरी, सूखी और कहानियों को रंगीन बना सकेंगे। एक्स पर होली पर्यावरण के अनुकूल बना रहे हैं। वाटरलेस होली, ईको फ्रेंडली होली, ऑर्गेनिक कलर जैसे की शुभकामनाओं के अलग-अलग हैश टैग्स ट्रेंड करने लगे हैं। हैश टैग्स भी इस अवसर पर खुब ट्रेंड करते हैं।

मेटावर्स और एआई के दौर में होली



इंटरनेट और डिजिटल तकनीक ने त्योहारों में

तरह की मर्यादा की अनदेखी करते हुए

लोग एक-दुसरे पर जमकर केमिकल

वाले रंगों, गंदले पानी को उछालने से

बाज नहीं आते थे। लेकिन आज ऐसा

<mark>नहीं</mark> है। आज मेटावर्स और एआई के दौर

में युवाओं का रुझान ईको-फ्रेंडली और

सूखी होली की ओर हो चला है। अब

एक खास कल्चरल और इमोशनल कनेक्ट निर्मित किया है। जिस कारण आज युवा त्योहारों से नए उत्साह और उल्लास के साथ जुड़ रहे हैं। आज के युवा पहले के मुकाबले त्योहारों का ज्यादा आनंद लेते हैं। बस उनका तौर-तरीका, खास करके शहरी डिजिटल पीढ़ियों का तौर-तरीका बिल्कुल अलग होता है। ऐसा स्वाभाविक भी है, क्योंकि हर दौर की तकनीक उस दौर की गतिविधियों को अपने ढंग से फिनोमिना



गों के जीवंत उत्सव होली का भारतीय संस्कृति में बहुत महत्व है। इस अवसर की मौज-मस्ती और जीवंतता का बॉलीवुड फिल्मकारों ने अपनी फिल्मों में भरपूर इस्तेमाल किया है। रोमांस, ड्रामा और जज्बाती उतार-चढ़ाव की कहानियों को पेंट करने के लिए होली का इस्तेमाल कैनवस के रूप में किया गया है। अनेक बॉलीवुड फिल्मों में कहानी को आगे बढ़ाने के लिए होली का पृष्ठभूमि के तौर पर प्रयोग किया जाता रहा है।

'शोले' का यादगार होली गीत-डायलॉगः 'होली कब है?' ये शब्द सुनकर अनायास ही बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म 'शोले' की याद आ जाती है, जिसमें कहानी को दिशा देने के लिए होली की उमंग और पृष्ठभूमि का प्रयोग किया गया। 'होली कब है...कब है होली?' इस डायलॉग को गब्बर सिंह (अमजद खान) ने बोला था ताकि वह होली के अवसर पर रामगढ़ पर हमला कर सके। फिल्म में होली का जश्न डाकु गब्बर और नायक जय-वीरू के बीच लड़ोई की पृष्ठभमि भी बनती है। दूसरी तरफ रंगों का यह उत्सव वीरू (धर्मेंद्र) और बसंती (हेमा

मालिनी) के बीच प्रेम की पींगें बढ़ाने का माहौल भी बनाता है। अवसर फिल्माया गया गीत 'होली के दिन दिल खिल जाते हैं' आज भी होली स्पेशल प्ले-लिस्ट का अनिवार्य हिस्सा है।

'रंग बरसे' गीत से फिल्म में आता है मोड़ः यश चोपड़ा की फिल्म 'सिलसिला' का लोकप्रिय गीत 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली' फिल्म की कहानी को महत्वपूर्ण मोड़ देने में अहम भूमिका अदा करता है। फिल्म में जैसे ही होली की उमंग-तरंग सिर चढ़कर बोलती है, वैसे ही अमित (अमिताभ बच्चन) और चांदनी (रेखा) अपनी शर्म, संकोच और एहतियात को भूल जाते हैं। उनका एक-दूसरे के लिए प्रेम जग जाहिर हो जाता है। अमित की पत्नी शोभा (जया बच्चन) और चांदनी का पित डॉ. आनंद (संजीव कुमार) इस प्रेम लीला को देखते रहते हैं। यहीं से फिल्म के किरदारों में तनाव उत्पन्न होने लगता है और कहानी में नया मोड़ आता है।

होली के इर्द-गिर्द घूमती 'दामिनी': फिल्म 'दामिनी' की पूरी कहानी का आधार होली पर हुई एक घटना थी। एक गरीब घर की ईमानदार, शरीफ और सुंदर लड़की दामिनी (मीनाक्षी

बात चाहे मस्ती के रंग से सजे गीतों की हो या कहानी को नया मोड देने की, हिंदी फिल्मों में होली का खब इस्तेमाल किया गया है। यहां ऐसी ही कुछ फिल्मों पर नजर डाल रहे हैं, जिनमें होली को शामिल किया गया है।





शेषाद्री) से अमीर घर का एक लडका (ऋषि कपूर) अपने परिवार के विरोध के बावजुद शादी कर लेता है। अमीर घर में पहंच कर वह लड़की उस परिवार में अपने को मिसफिट पाती है, पर अपने पति के प्रेम की खातिर सब कुछ बर्दाश्त

करती है। लेकिन उसके सब्र का बांध उस समय टूट जाता है, जब होली के अवसर पर उसके पति का छोटा भाई अपने दोस्तों के साथ मिलकर घर की ही नौकरानी से सामूहिक 'मोहब्बतें' में को-आर्टिस्ट्स के साथ शाहरुख बलात्कार (और बाद में

> हत्या भी) करता है। दामिनी तमाम कठिनाइयों और रुकावटों के बावजूद अदालत से दोषियों को सजा दिलाती है।

प्यार की भावना का उत्प्रेरक बनी होली: फिल्म 'मोहब्बतें' में होली

उत्प्रेरक का काम करती है, जिससे सामाजिक रीति-रिवाजों पर प्रेम को विजय हासिल करने का अवसर मिल जाता है। फिल्म में राज आर्यन मल्होत्रा (शाहरुख खान) तमाम एहतियात और बंदिशों को ताक पर रखकर

जाता है। युवा छात्र नाचते-गाते हुए अपने-अपने प्रेम में गिरफ्तार हो जाते हैं और यह बात परंपरा का सख्ती से पालन करने वाले गुरुकुल के प्रधानाचार्य नारायण शंकर (अमिताभ बच्चन)



'रामलीला' में प्यार के रंग में भीगे दीपिका–रणवीर

को पसंद नहीं आती है। लेकिन तब तक होली की वजह से गुरुकुल में विद्रोह का बिगुल बज चुका होता है।

होली गीत में दिखा नायिका का अलग रूपः अयान मुखर्जी की 'ये जवानी है दीवानी' में बन्नी (रणबीर कपूर) और नैना (दीपिका पादुकोण) के जीवन में होली की वजह से नया मोड़ आता है। नैना को बन्नी गंभीर और पढ़ाकू लड़की समझता था, लेकिन जब होली के जश्न के दौरान वह नैना का बिंदास, मस्त और अल्हड़ रूप देखता है तो उसका नैना के प्रति नजरिया बदल जाता है। होली की मस्ती और फिल्म के कलाकरों की दोस्ती के बेहतरीन पल 'बलम पिचकारी' की धुन पर देखने को मिलते हैं।

रंगों के बादलों में डूबी 'राम-लीला': 'गोलियों की रासलीला राम-लीला' फिल्म में भी प्रेम के अवसर के रूप में होली को दिखाया गया है। फिल्म में जब राम (रणवीर सिंह) और लीला

रंगों के बादलों में फ्लर्ट करते हैं, तो उनमें प्यार के फूलों को खिलने का अवसर मिल जाता है। 'लहू मुंह लग गया' की धुन पर उनका प्यार और

अपने छात्रों को होली का जश्न मनाने के लिए ले रोमांस बहुत ही मुखर होकर सामने आया है। जाहिर है, ऐसी सिच्एशंस फिल्म मेकर्स और दर्शकों को बहुत पसंद आती हैं, इसलिए बहुत सी फिल्मों की कहानियों का ताना-बाना होली के इर्द-गिर्द बुना गया। 💥

'ये जवानी है दीवानी' में दीपिका–रणबीर कपूर